mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-347 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

18 दिसंबर 2024 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

स्मृति मंधाना...

@ पेज 7

भोपाल में पारा 3.3°C, 53 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिसंबर के तीसरे हफ्ते में देश के मैदानी इलाकों में तेज सर्दी जारी है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर समेत 10 राज्यों में मंगलवार को कोल्ड वेव और 13 राज्यों

● राजस्थान समेत 10 राज्यों में शीतलहर, नोएडा-गाजियाबाद में 5वीं तक स्कूल बंद

में घने कोहरे का अलर्ट है। राजस्थान के फतेहपुर में सोमवार को न्यूनतम तापमान -1 डिग्री पहुंच गया। मध्य प्रदेश में 12 जिले शीतलहर की चपेट में हैं। भोपाल में सोमवार को 53 साल बाद दिसंबर में रात का टेंप्रेचर 3.3डिग्री पहुंचा। यहां 1971 में न्यूनतम तापमान 3.6डिग्रीदर्ज हुआ था।

इधर दिल्ली में भी दिसंबर में चौथी बार तापमान 5 डिग्री से नीचे गया। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में प्रदूषण और ठंड के चलते 5वीं तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बर्फबारी के बाद जम्मू-कश्मीर में शीतलहर जारी है। श्रीनगर में मंगलवार सुबह पारा माइनस 4ए रिकॉर्ड हुआ। कई जगह फव्वारों का पानी जमने लगा। पेड़-पौधों पर भी ओस जम गई।

महाराष्ट्र, तेलंगाना में पारा सामान्य से नीचे पहुंच गया है। यहां भी लोगों को सर्द का अहसास हो रहा है। इधर आंध्र, तमिलनाडु में लगातार दूसरे दिन बारिश का अलर्ट है। हालांकि तटीय राज्यों में तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं है, लेकिन बारिश के बाद माहौल में ठंडक घुल गई है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन ने ली रूस के परमाणु प्रमुख की हत्या की जिम्मेदारी

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के परमाणु चीफ और उनके सहायक की बम विस्फोट में हत्या करने की जिम्मेदारी यूक्रेन ने ली है। बता दें कि रूस के वैज्ञानिक परमाणु, जैविक और रासायनिक रक्षा बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की मंगलवार सुबह यहां एक

आवासीय अपार्टमेंट ब्लॉक के पास बम विस्फोट में हत्या कर दी गई। इस दौरान उनका सहायक भी मारा गया। बताया जा रहा है कि एक स्कूटर में छिपाकर विस्फोटक लगाया गया था। रूस के परमाणु प्रमुख की इसकी चपेट में आने से मौत हो गई। रूस की जांच समिति ने यह जानकारी दी। वहीं रूस के परमाणु प्रमुख की हत्या के बाद राष्ट्रपति पुतिन के कार्यालय क्रेमलिन में हड़कंप मचा हुआ है। इस बीच यूक्रेन ने रूसी परमाणु चीफ की हत्या की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है। यूक्रेन की सेना के एक अधिकारी ने कहा कि इस हमले को सेवा ने अंजाम दिया है। इगोर किरिलोव जब अपने कार्यालय से निकल रहे थे उस दौरान विस्फोटक की चपेट में आ जाने से उनकी मौत हो गई। यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध में अपनी कार्रवाइयों के लिए किरिलोव (54) पर ब्रिटेन और कनाडा सहित कई देशों ने प्रतिबंध लगा रखे थे।

अब भारत-चीन के रिश्तों की होगी नई शुरुआत

बीजिंग (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच रिश्तों में सुधार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। एक माह पहले रियो डी जेनेरियो में जी-20 की बैठक से इतर हुई पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक ने दोनों देशों के बीच 4 वर्षों से जारी तनाव को काफी हद तक कम कर दिया था। इसके बाद भारत-चीन के रिश्तों में जमी बर्फ धीरे-धीरे पिघलने लगी। अब इसी कड़ी को और आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल बुधवार को होने वाली भारत-चीन विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता में भाग लेने के लिए मंगलवार को बीजिंग

पहुंचे। इस वार्ता का उद्देश्य पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से अधिक समय तक प्रभावित रहे द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करना है। डोभाल अपने चीनी समकक्ष और विदेश मंत्री वांग यी के साथ विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 23वें दौर की वार्ता करेंगे। इस दौरान पूर्वी लद्दाख से सैनिकों की वापसी और गश्त को लेकर दोनों देशों के बीच 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

चुनाव आयुक्त का चुनाव होना चाहिए, उद्धव ठाकरे ने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े विधेयक को पेश कर दिया गया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने ये बिल पेश किया है। मोदी सरकार ने कहा है कि इस बिल को व्यापक विचार-विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाएगा। वन नेशन वन इलेक्शन जुड़े संशोधन विधेयक पर विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया है। वहीं, अब शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी इस मुद्दे पर राय रखी है। उद्धव ठाकरे ने कहा है कि पहले देश में चुनाव आयुक्त का चुनाव होना चाहिए।

शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए नागपुर पहुंचे शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा- वन नेशन, वन इलेक्शन की बात बाद में होनी चाहिए, पहले चुनाव आयुक्त का चुनाव होना चाहिए। अगर राष्ट्रपति चुना जा सकता है तो चुनाव आयुक्त क्यों नहीं? अगर लोगों को ईवीएम पर संदेह है तो उन्हें दूर करना चाहिए। एक बार बैलट पेपर पर चुनाव कराना चाहिए। अगर उन्हें उतना ही बहुमत मिल जाए तो इसके बाद कोई सवाल नहीं करेगा।

लोकसभा में पक्ष में 269, विरोध में 198 वोट पड़े

एक देश-एक चुनाव बिल पेश करने को लेकर हुई वोटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को एक देश, एक चुनाव के लिए 129वां संविधान (संशोधन) बिल पेश किया। बिल के लिए पहले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई गई। कुछ सांसदों की आपत्ति के बाद वोट संशोधित करने के लिए फिर पर्ची से मतदान हुआ।

बिल को पेश करने के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। इसके बाद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे सदन में रखा। अमित शाह ने सदन में कहा कि बिल जब कैबिनेट में आया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजना चाहिए। कानून मंत्री ऐसा प्रस्ताव कर सकते हैं। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन बिल, बीजेपी की देश में तानाशाही लाने की कोशिश है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा आज एक देश-एक इलेक्शन बिल लोकसभा में पेश करते वक्त पार्टी के अनुपस्थित 20

सांसदों को नोटिस भेजेगी। पार्टी ने इन्हें सदन में मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है।

सरकार ने %एक देश, एक चुनाव% से जुड़े 2 बिल 17 दिसंबर को लोकसभा में पेश किए। पहला- संविधान (129वां संशोधन) बिल। दूसरा-केंद्र शासित कानून (संशोधन) बिल 2024, इसके तहत पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा सकें। इस संशोधन बिल के जरिए इन तीन एक्ट में बदलाव किया जाना है। द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट- 1963, द गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली- 1991 और द जम्मू एंड कश्मीर रीऑर्गनाइजेशन एक्ट-2019 शामिल हैं। दोनों सदनों में संविधान (129वां संशोधन) बिल पास होने के लिए दो-तिहाई बहुमत जरूरी

लोकसभा की 543 सीटों में एनडीए के पास अभी 292 सीटें हैं। दो तिहाई बहुमत के लिए 362 का आंकड़ा जरूरी है। वहीं, राज्यसभा की 245 सीटों में एनडीए के पास अभी 112 सीटें हैं, वहीं 6 मनोनीत सांसदों का भी उसे समर्थन है। जबकि विपक्ष के पास 85 सीटें हैं। दो तिहाई बहुमत के लिए 164 सीटें जरूरी हैं। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार अब विधेयक (बिल) पर आम सहमति बनाना चाहती है। सरकार इसे विस्तृत चर्चा के लिए संयुक्त संसदीय समिति या जेपीसी के पास भेज सकती है।

वीर सावरकर को भारत रत्न देने की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना यूबीटी के मुखिया उद्धव ठाकरे द्वारा वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की गई है। इस बीच अब महाविकास अघाड़ी के घटक दलों के बीच ही विरोधाभास देखने को मिल रहा है। इस बीच कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने बयान देते हुए कहा है कि यह शिवसेना की

पार्टी का मत हो सकता है। वहीं एकनाथ शिंदे गुट के कोटे से मंत्री बने आशीष जायसवाल ने कहा, उद्धव ठाकरे का मित्र पक्ष रोज सावरकर का अपमान कर रहा है। उनको लात मारकर पहले अलग कीजिए। जब तक आप यह करेंगे नहीं तब तक यह प्रश्न आप पूछ नहीं सकते हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी से प्रश्न किया कि सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं दे रहे?

फिलिस्तीन के बाद अब बांग्लादेश, नया बैग लेकर संसद पहुंचीं प्रियंका

लिखा था - बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव और वाडनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा फिलिस्तीन लिखे बैग को लेकर काफी चर्चा में रहीं। वहीं सोमवार को फिलिस्तीन का बैग लेकर जाने के बाद हुए विवाद के बाद अब प्रियंका गांधी अगले दिन दूसरा बैग लेकर संसद पहुंचीं। प्रियंका गांधी जिस बैग को लेकर आज संसद पहुंचीं उस पर लिखा था, बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों। बता दें कि प्रियंका गांधी कल एक बैग लेकर

संसद गई थीं, जिसपर फिलिस्तीन लिखा हुआ था, जिसे लेकर दिन भर बयानबाजी हुई। हालांकि प्रियंका गांधी से जब इसे लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने फिलिस्तीन का नाम न लेते हुए बांग्लादेश का जिक्र किया था।

वहीं आज मंगलवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों लिखा हुआ बैग लेकर संसद पहुंचीं। प्रियंका गांधी वाद्रा के अलावा पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी ऐसा भी बैग लिया हुआ था। इस दौरान सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय तथा दूसरे अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन किया और सरकार से उनके लिए न्याय की मांग की। उन्होंने अपने हाथ में थैला भी ले रखा था जिस पर ÷बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों÷ लिखा हुआ था।

सेना ने कहा- 1971 युद्ध की तस्वीर हटाई नहीं

उसे आर्मी चीफ लाउंज से मानेकशॉ सेंटर में शिफ्ट किया, ताकि ज्यादा लोग देख सकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ के लाउंज में लगी पाकिस्तानी सेना के समर्पण की तस्वीर को लेकर सेना का बयान आया है। सेना ने अपने ङ्ग हैंडल पर बताया कि 1971 युद्ध की तस्वीर हटाई नहीं गई है। इसे दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में जानबूझकर शिफ्ट किया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देख सकें। दरअसल, सेना प्रमुख के लाउंज में 1971 के पाकिस्तानी सेना के सरेंडर वाली पेंटिंग को बदलकर एक नई कलाकृति लगाई गई है। इसमें लद्दाख के पैंगोंग त्सो, महाभारत से प्रेरित विषय-वस्तु और आधुनिक युद्ध को दर्शाया गया है, जो संभवतः चीन के साथ उत्तरी सीमा पर भारत के बढ़ते रणनीतिक फोकस को दर्शाता है।

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण वाली तस्वीर को हटाने का मामला संसद तक पहुंच गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया था। दोनों ने सरकार पर भारत के सैन्य इतिहास और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार की विरासत को

कमतर आंकने का आरोप लगाया।

यह तस्वीर 16 दिसंबर 1971 की है। इसे ढाका के रेसकोर्स में लिया गया था। तस्वीर में पाकिस्तान के लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाजी और भारत के ईस्टर्न थिएटर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा नजर आ रहे है। नियाजी के सामने मेज पर एक डॉक्यूमेंट है, जिस पर वे दस्तखत करते दिख रहे हैं। उनके पीछे भारतीय सेना के कई और अधिकारी भी खड़े हैं। यह वही ऐतिहासिक पल था, जिसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल नियाजी ने कमर पर लगी अपनी पिस्टल जगजीत सिंह को सौंप दी थी और 93 हजार पाक सैनिकों के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सरेंडर किया।

ये न समझें कि भारत का संविधान दुनिया के संविधान की नकल है

राज्यसभा में बोले गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के समाप्त होने में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। शीतकालीन सत्र का ज्यादातर वक्त हंगामे की भेंट चढ़ गया है। हालांकि, इस बीच लोकसभा और राज्यसभा में संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर चर्चा का आयोजन किया गया। इसके बाद मंगलवार को मोदी सरकार ने लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर विधेयक भी पेश किया। इस बिल को जेपीसी के पास भेजा जाएगा। दूसरी ओर देश के गृह मंत्री अमित शाह भी राज्य सभा में संबोधन दे रहे हैं।

अमित शाह ने कहा कि ये संविधान पर चर्चा हमारे संविधान के कारण देश कितना आगे बढ़ा इसका एहसास कराएगी। इससे ये भी पता चलेगा कि संविधान की भावनाओं को दरकिनार कर के कोई अपने लिए संविधान को तोड़ मरोड़ कर आगे बढ़ने का प्रयास करता है तो कैसी दुर्घटनाएं

होती हैं। अमित शाह ने कहा कि ये पता लग जाएगा कि किस-किस पार्टी ने सत्ता में आने पर संविधान का सम्मान किया है। अमित शाह ने कहा कि जब भारत आजाद हुआ तब दुनिया भर के लोगों को लगता था कि ये देश बिखर जाएगा, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाएगा। आज 75 साल बाद भारत को देखा जाए तो मैं सरदार पटेल को धन्यवाद देता हूं कि उनके अथक परिश्रम के कारण देश मजबूत होकर दुनिया के सामने खड़ा है। भारत के साथ अनेक देश आजाद हुए लेकिन वहां कई बार लोकतंत्र सफल नहीं हुआ लेकिन हमारा लोकतंत्र पाताल तक गहरा पहुंचा हुआ है। देश की जनता और संविधान की खूबसूरती ने उन्हें भी जवाब दिया है जो ये कहते थे कि भारत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाएगा। आज भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और हम ब्रिटेन से भी आगे हैं।

अमित शाह ने कहा कि ये न समझे की भारत का संविधान दुनिया के संविधान की नकल है। हां हमने हर संविधान का अभ्यास किया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि हर कोने से हमें सुविचार प्राप्त हो। हमने हर किसी से अच्छाई ली है लेकिन हमारी परंपराओं को नहीं छोड़ा। पढ़ने का चश्मा अगर विदेशी है तो संविधान में भारतीयता नहीं दिखेगी। जिसने भी संविधान को शब्दों में छापा है और चित्रों को छोड़ दिया है उन्होंने संविधान की भावनाओं के साथ छल किया है।

ट्रैफिक पुलिस ने काट दिया रैपर बादशाह का भयंकर वाला चालान

गुरुग्राम (एजेंसी)। मशहूर रैपर बादशाह का गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने भयंकर वाला चालान काटा है। बादशाह पर सड़क के गलत तरफ गाड़ी चलाने, तेज संगीत बजाने और लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगा है। ट्रैफिक पुलिस ने बादशाह को कुल 15,000 रुपये का चालान जारी किया है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, ये घटना बीते 15 दिसंबर की है जब रैपर बादशाह पंजाबी गायक करण औजला के एक संगीत कार्यक्रम में स्पेशल अपीयरेंस के लिए सोहाना रोड पर ऐरिया मॉल आए थे। अधिकारियों की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, रैपर बादशाह जिस महिंद्रा थार में मौजूद थे वह पानीपत के रहने वाले दीपेंद्र मलिक के नाम पर रजिस्टर्ड है। लंबे ट्रैफिक के कारण बादशाह के काफिले की एसयूवी सड़क के गलत तरफ चली गई। इस पर कई राहगीरों का ध्यान आकर्षित हुआ और उन्होंने इस घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। बादशाह के काफिले से जुड़ी घटना का वीडियो क्लिप जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो इस पर ट्रैफिक पुलिस ने भी ध्यान दिया। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस की ओर से रैपर बादशाह को 15,000 रुपये का चालान जारी किया। पूरी घटना पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार ने कहा- %%लापरवाही से गाड़ी चलाने, गाड़ी में तेज संगीत बजाने और गलत साइड पर गाड़ी चलाने के लिए चालान जारी किया गया है और कार्रवाई की गई है।÷

संक्षिप्त समाचार

पद्मश्री जोधइया बाई के निधन पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने जताया शोक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने उमरिया जिले के ग्राम लोधा की सुप्रसिद्ध बैगा चित्रकार पद्मश्री जोधइया बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जोधइया बाई ने अपनी विशिष्ट कला और अद्भुत कौशल से न केवल बैगा जनजातीय संस्कृति को संरक्षित किया, बल्कि उसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाकर भारत की सांस्कृतिक धरोहर को गौरवान्वित किया। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा, पद्मश्री जोधइया बाई की कलाकृतियां जनजातीय जीवन की गहराइयों और हमारी सांस्कृतिक विविधता का अद्वितीय चित्रण करती हैं। उनके कार्यों ने न केवल हमारी परंपराओं को संरक्षित किया, बल्कि उन्हें एक नई ऊर्जा और पहचान भी दी। उनका योगदान हमारी सांस्कृतिक धरोहर के लिए मील का पत्थर है और यह सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। मंत्री श्रीमती उइके ने जोधइया बाई को एक सशक्त सांस्कृतिक प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने जनजातीय जीवन की सौंदर्य शास्त्र को अपनी कला में संजोया और इसे पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत किया। उनकी यह विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। श्रीमती उइके ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को इस असीम दु:ख को सहने की शक्ति दें।

अधिकारी-कर्मचारियों के डाटा होंगे ऑनलाइन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के डाटा का सत्यापन आईएफएमआईएस के तहत समग्र आईडी से सत्यापित किया जायेगा। साथ ही शासकीय सेवकों का वेतन भुगतान आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के माध्यम से होगा। इस व्यवस्था में सभी शासकीय सेवकों का दायित्व होगा कि वे आईएफएमआईएस के अंतर्गत एम्प्लाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी की प्रविष्टि कर जानकारी सत्यापित करना सुनिश्चित करें। आईएफएमआईएस में समग्र आईडी की प्रविष्टि करने की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएफएमआईएस) में समग्र आईडी की प्रविष्टि एवं सत्यापन से पूर्व समस्त शासकीय सेवकों द्वारा उनकी समग्र आईडी का पंजीयन/अद्यतन एवं आधार से लिंक समग्र पोर्टल के माध्यम से कराया जाना होगा। कर्मचारियों के वेतन प्राप्त करने वाले बैंक खातों को भी आधार से लिंक कराया जाना अनिवार्य होगा। इस संबंध में शासन के समस्त विभागों के बजट नियंत्रण अधिकारी एवं आहरण संवितरण अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि 28 फरवरी 2025 तक समस्त शासकीय सेवकों की समग्र आईडी की प्रविष्टि आईएफएमआईएस अंतर्गत एम्प्लाई प्रोफाइल में हो जाये। आईएफएमआईएस अंतर्गत बजट नियंत्रण अधिकारी/आहरण संवितरण अधिकारियों की लॉगइन पर मॉनिटरिंग हेतु रिपोर्ट उपलब्ध करायी जायेगी। कर्मचारियों के डाटा के समग्र आईडी से सत्यापन कार्य के प्रथम चरण में नियमित शासकीय सेवकों के लिये समग्र आईडी के प्रविष्टि की कार्यवाही की जाना है। द्वितीय चरण में मानदेय/संविदा/दैनिक वेतनभोगी शासकीय सेवकों का भी सत्यापन एवं आधार से लिंक किया जायेगा। समग्र पोर्टल से संबंधित सहयोग/सहायता के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निर्देश जारी कर दिये गये हैं। समग्र आईडी बनवाने/अद्यतन करवाने/सुधार करवाने संबंधी जानकारी/यूजर मैनुअल समग्र पोर्टल से प्राप्त किये जा सकते हैं।

बिजली कार्मिकों ने ली ऊर्जा संरक्षण की शपथ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। ऊर्जा ने विभिन्न रूपों में हमारी जीवन-शैली में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। विभिन्न रूपों में बिजली ऊर्जा का वह प्रकार है जो सबको सुगमता से हर कहीं उपलब्ध और सुलभ है। यही कारण है कि ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों को भी बिजली के रूप में बदलकर उसका उपयोग प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, कृषि जैसी मूलभूत आवश्यताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार एवं पर्यटन जैसे सुख-साधन में भी किया जा रहा है। निदेशक (तकनीकी) श्री दीप्तापाल सिंह यादव ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अवसर पर कार्मिकों से कहा कि बिजली की बचत ही बिजली का उत्पादन है। उन्होंने कार्मिकों से आव्हान किया कि बिजली की बचत करने के लिए उचित प्रबंधन करते हुए गुणवत्तापूर्ण विद्युत के उपयोग के लिए ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग करें और अनावश्यक बिजली के उपयोग पर अंकुश लगाएं। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अवसर पर कम्पनी के निदेशक (तकनीकी) श्री दीप्तापाल सिंह यादव ने गोविंदपुरा स्थित कम्पनी मुख्यालय में कार्मिकों को बिजली बचत की शपथ दिलाई।

शिक्षा के प्रसार के लिए डिंडोरी के बजाग में नया प्रयोग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातियों की देशज कला, संस्कृति, वानस्पतिक ज्ञान और जड़ी-बूटी रोग उपचार कौशल के संरक्षण और संवर्धन के लिए केन्द्र और मध्यप्रदेश सरकार विभिन्न कदम उठा रही हैं। जनजातियों की अपनी बोलियां होती हैं। वे अपनी बोली में ही बात करना पसंद करते हैं। ज्ञान अर्जन हो या तथ्यों को समझने की बात हो, जनजातीय समुदाय अपनी बोली में ही ज्यादा सहज होते हैं। जनजातियों के इसी मानस को समझकर केन्द्र एवं राज्य सरकार ने अब जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को उनकी बोली में प्राथमिक शिक्षा देने का मन बना लिया है। इस काम की शुरुआत ट्राईबल डामिनेटेड डिंडोरी जिले से की जा रही है। यहां विशेष रूप से पिछड़ी और आर्थिक रूप से कमजोर मानी जाने वाली (पीजीटीजी समूह की) बैगा जनजाति के अलावा गोंड जनजाति की बड़ी आबादी रहती है। जन सांख्यिकीय अनुपात में इन जनजातियों के बड़ी संख्या में विद्यार्थी स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन्हीं विद्यार्थियों के हित में डिंडोरी जिले के बजाग ब्लॉक में एक अनोखा और प्रेरणादायक कदम उठाया जा रहा है। अत्यंत पिछड़ी बैगा जनजाति की विलुप्त होती बोलियां और संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए प्राथमिक स्तर पर पहली से पांचवीं तक के छात्रों के लिए हिन्दी भाषा के पाठ्यक्रम का बैगानी और गोंडी बोली में अनुवाद किया जा रहा है। यह नवाचार न केवल शिक्षा को सरल और सुलभ बनाएगा, बल्कि जनजातीय छात्रों के बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्य योजना के तहत हिंदी भाषा में तैयार विषयवार पाठ्यपुस्तकों को बैगानी और गोंडी बोली की शब्दावली में अनुवादित किया जा रहा है। विशेष रूप से हिंदी, गणित और पर्यावरण विज्ञान विषयों पर जोर दिया गया है, जबकि अंग्रेज़ी भाषा को पाठ्यक्रम से बाहर रखा गया है। जनजातीय कार्य विभाग के अधीन ट्राईबल रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (टीआरआई) भोपाल की पहल पर इस परियोजना को राज्य शिक्षा केंद्र के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। बैगानी बोली के संरक्षण और शिक्षा में उपयोग के लिए शब्दकोश से शब्दों का संग्रह किया गया है। यह प्रयास जनजातीय छात्रों को उनकी ही बोली में सुलभ शिक्षा देने का अनूठा प्रयास है। यह बैगा जनजाति की बोली और सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित करेगा। कार्य योजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए 35 शिक्षकों और भाषा/बोली विशेषज्ञों की टीम बनाई गई है। ये शिक्षक दो शिफ्टों में काम करते हुए हिंदी भाषा के पाठ्यक्रम को बैगानी और गोंडी बोली की शब्दावली में अनुवादित कर रहे हैं। परियोजना का लगभग 55 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है। इसे अगले शैक्षणिक सत्र से लागू करने की योजना है। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, बजाग के ऑडिटोरियम हॉल में छह मेजों पर इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। विशेषज्ञ शिक्षक हर शब्द और वाक्य की बारीकी से समीक्षा कर रहे हैं, ताकि पाठ्यक्रम जनजातीय छात्रों की समझ और उनकी संस्कृति के अनुरूप ही हो।

जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि जनजातियों की बोलियों के संरक्षण के लिए केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय के साथ मिलकर राज्य सरकार पूरा प्रयास कर रही है।

प्रदेश में पाठ्य-पुस्तकों का प्रकाशन समय पर हो-स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये है कि प्रदेश में वर्ष 2025-26 शैक्षणिक सत्र में स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को पाठ्य-पुस्तक शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही आसानी से सुलभ हो। मंत्री श्री सिंह सोमवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पाठ्य-पुस्तकों के वितरण व्यवस्था की जानकारी ली।

बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को उनकी क्षेत्रीय बोलियों में पढ़ाये जाने की अनुसंशा की गई है। इसके अनुरूप प्रदेश में पाठ्य-पुस्तक निगम द्वारा बहु भाषा में जनजातीय और क्षेत्रीय बोलियों पर कहानी की किताबों का प्रकाशन किया जा रहा है। बैठक में पाठ्यक्रम तैयार करने और शिक्षकों की प्रशिक्षण व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। पाठ्य-पुस्तक निगम के अधिकारियों ने पिछले शैक्षणिक सत्र में पाठ्य-पुस्तकों के प्रकाशन और उनके वितरण व्यवस्था की जानकारी दी।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को एडीएम श्री सिद्धार्थ जैन, श्री अंकुर मेश्राम, एडीएम प्रकाश नायक, डिप्टी कलेक्टर मोहम्मद इकबाल, श्रीमती निधि चौकसे, श्री अजय शर्मा एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 108आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में आये 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग आवेदक मोतीलाल निवासी-टीला जमालपुरा को कलेक्टर श्री कौशलेंद्र सिंह के आदेशानुसार सामाजिक न्याय निःशक्तजन कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक श्री आर.के. सिंह द्वारा ट्राई साईकिल प्रदान की गई।

एडीएम श्री सिद्धार्थ जैन, श्री अंकुर मेश्राम, श्री प्रकाश नायक श्री भूपेंद्र गोयल ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

नॉन के अधिकारी और कर्मचारियों को मिलेगा 27 माह का एरियर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत के अथक प्रयासों से मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड के कर्मियों को एक जनवरी 2016 से 31 मार्च 2018 तक का 27 माह का पुराना लंबित एरियर्स देने के आदेश खाद्य विभाग एवं निगम द्वारा जारी कर दिये गये हैं। इससे निगम के 800 से ज्यादा कर्मचारियों को लाभ प्राप्त होगा। 30 साल की सेवा पूर्ण कर चुके मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों/कर्मचारियों को तृतीय समयमान वेतनमान की स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में वित्त विभाग की स्वीकृति के बाद खाद्य विभाग एवं निगम ने आदेश भी जारी कर दिये हैं।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड के कर्मचारियों / अधिकारियों द्वारा कई सालों से एरियर्स एवं समयमान वेतनमान की मांग की जा रही थी। कर्मचारियों की मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुये मंत्री श्री राजपूत एवं खाद्य विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरुण शमी तथा नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक पीएन यादव के विशेष प्रयास से नॉन के कर्मचारियों/अधिकारियों को यह लाभ मिलेगा।

मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड अधिकारी/कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष गजेन्द्र कोठारी, मेघराज यादव एवं महासचिव संतोष मिश्रा, ललित चतुर्वेदी, सुरेश अरोरा, एस.सी. हेडायु, हेमराज मोरे, सीएन तिवारी, भारती अनुराज, खाद्य मंत्री के ओएसडी संजय सक्सेना ने खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री राजपूत का आभार व्यक्त किया।

वन मंडल नर्मदापुरम में जंगली जानवरों का शिकार करने वाले आरोपियों को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन मंडल अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया कि वन मंडल नर्मदापुरम परिक्षेत्र के बानापुरा बीट बांसपानी के वन अमले द्वारा 11 दिसंबर को गस्ती के दौरान बाघ का शव देखा गया। वन अमले द्वारा इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। बाघ की मृत्यु का कारण जानने के लिये मोस्टमार्टम एवं बिसरा एकत्र करने के लिये एनटीसीए के प्रोटोकाल अनुसार कार्रवाई की गई। प्रकरण की जाँच में डॉग स्क्रायड, टायगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा की गई।

जाँच के दौरान संदिग्ध पाये गये व्यक्तियों से पूछताछ की गई। प्रकरण में प्राप्त साक्ष्यों एवं संदिग्ध व्यक्तियों के बयान के आधार पर कैलाश पिता प्रेमलाल कोरकू, रामरतन पिता राधेलाल कोरकू, भूरा निवासी ग्राम बांसपानी एवं ग्राम पंचायत पीपलगोटा को गिरफ्तारकिया गया। आरोपियों द्वारा 3 दिसंबर को जंगली जानवर सुअर के शिकार के लिये बांसपानी जाटामऊ रोड पर बिजली की लाइन से तार लगाकर लगभग 250 मीटर लंबा जंगल में अंदर तक खूंटियां गाड़कर करंट के लिये तार लगाया गया। रात्रि के समय तार से करंट लगने के कारण बाघ की मृत्यु हुई। आरोपियों से तार, खूंटियां, कुल्हाड़ी और खूंटियां बनाने के लिये लकड़ी का ठिया जब्त किया गया।

आरोपियों के बयान एवं साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण में मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिसिटी अधिनियम की धारा के अनुसार तीनों आरोपियों के विरूद्ध न्यायिक कार्रवाई की जा रही है। बाघ के गायब नाखून एवं दांत की दस्तयावी के लिये भी कार्रवाई की जा रही है।

राज्य सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने पर मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा है कि मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार के एक साल में औद्योगीकरण का नया सूत्रपात हुआ है। इस दौरान प्रदेश में हुई विभिन्न इंडस्ट्री कॉनक्लेव में 3 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव मिले है। मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई विदेश यात्रा में 78 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। मंत्री श्री काश्यप सोमवार को रतलाम में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे।

मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि प्रदेश में उद्यमशीलता के साथ-साथ गरीब कल्याण, किसान कल्याण, महिला सशक्तिकरण और संस्कृति को समृद्ध करने के कार्य भी तेज गति से चल रहे है। रतलाम में विशेष निवेश क्षेत्र के विकास की शुरुआत भी हो चुकी है और औद्योगिक इकाइयों को स्थापित करने के लिए उद्योगपति रतलाम आ चुके है। श्री काश्यप ने प्रदेश सरकार की एक वर्ष की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि सरकार का प्रथम वर्ष मध्यप्रदेश में सुशासन, विकास और विरासत के संवर्धन के लिए समर्पित रहा है। सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ गौरवशाली सम्पन्न एवं विकसित मध्यप्रदेश की संकल्पना को साकार करने का ईमानदार प्रयास किया हैं।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश की उन्नति के लिये किसान, गरीब, महिला और युवाओं के लिये सफलता के द्वार खोल दिये हैं, इससे इन वर्गों के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि वर्ष-2025 को औद्योगिक वर्ष के रूप में घोषित किया गया है। इस वर्ष सम्पन्न हुईं 6 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा और नर्मदापुरम से 2.07 लाख करोड़ रूपये, मुंबई, बेंगलुरू, कोयम्बटूर, कोलकाता में किये गये रोड-शो कार्यक्रमों में 1 लाख करोड़ रूपये से अधिक के निवेश, भोपाल में आयोजित खनन कॉन्क्लेव में 20 हजार करोड़ रूपये के निवेश और मुख?यमंत्री डॉ. यादव की यू.के. और जर्मनी की यात्रा में 78 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन संयुक्त प्रयासों से जो कुल 4 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है, उनसे 3 लाख से अधिक रोजगार सृजन होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी आगामी 25 दिसम्बर को छतरपुर में केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास करने आ रहे हैं। फरवरी-2025 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी आएंगे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान से समस्त पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाएं शासन की योजनाओं का लाभ - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आज सीएम हेल्पलाइन, समय-सीमा पत्रों और समाधान ऑनलाइन की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 11 दिसंबर से प्रारंभ हुए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत सभी एसडीएम को सर्वे कार्य शीघ्र पूरा कर शिविरों के आयोजन की रूपरेखा तैयार करने और पात्र हितग्राहियों को लाभांवित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि शत-प्रतिशत पात्र हितग्राही सरकार की योजनाओं का लाभ ले सकें। उन्होंने सभी एसडीएम को शिविरों का औचक निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में विभागीय समन्वय के साथ कार्य करें और सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करें। साथ ही राजस्व महाअभियान 3.0 में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री ऋतुराज सिंह सहित समस्त एडीएम, एसडीएम और अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ समस्त पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 110 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

समस्याओं का समय-सीमा में करें गुणवत्तापूर्ण निराकरण : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों से आए 110 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए।

कलेक्टर सोमवंशी ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि जिन आवेदन पत्रों में समय सीमा निर्धारित किया जाता है उसको तत्काल विभाग प्रमुख अपने संज्ञान में लेकर निराकरण कर संबंधित शिकायतकर्ता सूचित करें।

जनसुनवाई में हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रत्येक स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों की पहचान करें तथा उनका समाधान करते हुए प्रत्येक हितग्राही को पात्रतानुसार लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा लोगों की समस्या के त्वरित निराकरण करने की मंशा से जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। इसे पूरी गंभीरता से लें तथा प्राप्त समस्याओं का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

पुजारी ने 96 बार जनसुनवाई में किया शिकायत

कोर्ट के आदेश के बाद भी जमीन पर नहीं दिलाया जा रहा कब्जा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर की नौगांव तहसील के ग्राम कुलवारा के धनुषधारी मंदिर के पुजारी ने जनसुनवाई में मंदिर की जमीन से अतिक्रमण हटाने की मांग की है। पुजारी ने आरोप लगाया कि जमीन पर कब्जा पाने के लिए वह पहले ही सभी संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज करा चुका है।

कलेक्टर कार्यालय में उसने 95 बार शिकायत की है, लेकिन उसके बाद भी उसकी जमीन पर कब्जा नहीं दिया जा रहा है। जबकि उसके पास न्यायालय का आदेश भी है। आज 96वीं बार फिर कलेक्टर को शिकायती आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

कलेक्टर से 95 बार शिकायत कर चुका है

जानकारी के अनुसार पुरुषोत्तम पिता सत्यदीन नायक गांव के श्री धनुषधारी मंदिर में पूजा करने का काम करता है। कुछ समय पहले गांव की नंदू राजपूत पिता नाथू बगैरा एवं सुकन पाठक ने मंदिर की जमीन पर कब्जा कर लिया था। जिसके खिलाफ पुजारी ने कोर्ट में शिकायत की थी। पुरुषोत्तम ने बताया कि मैं दो बार कोर्ट से जीत चुका हूं, लेकिन गांव के बालकिशन राजपूत, लखन राजपूत, नंदू राजपूत और सुकन पाठक ने मंदिर की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर कर लिया है। जिसके लिए मैं कलेक्टर से 95 बार शिकायत कर चुका हूं, लेकिन प्रशासनिक कोर्ट का आदेश नहीं मान रहे हैं। आज तक मुझे जमीन पर कब्जा नहीं दिलाया गया है।

इस मामले में नौगांव के एसडीएम विशा माधवानी ने बताया कि अभी मैं छुट्टी पर हूं। आने के बाद मामले की जांच-पड़ताल करुंगी।

5 युवकों को मिला 60 लाख का हीरा, 17 कैरेट 11 सेंट का हीरा अगली नीलामी में रखा जाएगा

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना जिले की रत्नगर्भा धरती से एक बार फिर 5 युवकों की किस्मत चमक उठी है। इन्हें 17.11 कैरेट का कीमती हीरा मिला है। प्रकाश कुशवाहा नाम के युवक ने 4 साथियों के साथ हीरा कार्यालय पहुंचकर हीरा जमा करा दिया है, जिसे अब अगली हीरा नीलामी में रखा जाएगा। हीरे की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपए बताई जा रही है।

दरअसल, नयापुरवा निवासी प्रकाश कुशवाहा 4 साथियों के साथ कृष्ण कल्याणपुर पटी में हीरा कार्यालय से पट्टा बनवाकर हीरा खदान कर रहा था। खुदाई के दौरान 17 कैरेट 11 सेंट का हीरा मिला है।

प्रकाश कुशवाहा ने बताया कि वह 4-5 साल से हीरा खदान लगाकर हीरे की तलाश कर रहा है, लेकिन इस वर्ष 7 दिन की मेहनत में ही 17.11 कैरेट का हीरा मिला है। उन्होंने कहा कि यह हीरा उनकी और उनके साथियों की जिंदगी बदल देगा। हीरे से मिलने वाले पैसों से वह आगे हीरा खदान में काम करेंगे।साथ ही कुछ धंधा कर आय का साधन तैयार करेंगे।

वहीं हीरा कार्यालय में पदस्थ पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि यह उज्ज्वल किस्म का है, लेकिन हीरे में छींटे होने के कारण भाव कम मिल सकता है।

ऑटो नहीं ले जाने पर चालक को पीटा, तीन लोगों ने मिलकर लोहे के रॉड से किया हमला, हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के उपनी गांव में रहने वाले ऑटो रिक्शा चालक राजेश कोल पर मंगलवा सुबह करीब 11 बजे तीन लोगों ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया। उसके सिर पर गंभीर चोट आई है। उसे सीधी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पूरा मामला जिला मुख्यालय से 13 किलोमीटर दूर का है। दरअसल, सुबह राजेश कोल अपना ऑटो लेकर खड़ा था। इस बीच गांव के ही तीन लोग संपत्ति, राज बब्बन और रामू कोल ने उसे सीधी चलने के लिए कहा। राजेश का कहना था कि ऑटो खराब है। वह नहीं जा पाएगा। इसके बाद तीनों लोग गुस्सा हो गए। उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। रॉड के हमले से ऑटो चालक के सिर से खून बहने लगा। आनन फानन में उसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल ले गए। वहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

वहीं अस्पताल की पुलिस चौकी में केस दर्ज किया गया है। इसकी जानकारी संबंधित कोतवाली थाने में भेजी गई है।

छतरपुर की क्रांति गौंड डब्ल्यूपीएल में मचाएंगी धूम

घुवारा कन्या स्कूल की पूर्व छात्रा को यूपी वॉरियर्स ने दस लाख रुपए में खरीदा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर जिले के शासकीय कन्या स्कूल घुवारा की पूर्व छात्रा क्रांति गौंड को यूपी वॉरियर्स ने दस लाख रुपए में खरीदा। विमेंस प्रीमियर लीग 2025 के लिए मिनी ऑक्शन बेंगलूर में रविवार को करीब ढाई घंटे चला। इसमें 5 टीमों (गुजरात जायंट्स, चुम्बन इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, यूपी वॉरियर्स) ने 9.05 करोड़ रुपए खर्च कर प्लेयर्स खरीदे।

इसमें घुवारा नगर की क्रांति गौंड को यूपी वॉरियर्स ने दस लाख रुपए में खरीदा। अब क्रांति गौंड क्रिकेट के क्षेत्र में यूपी वॉरियर्स की ओर से एक ऑलराउंडर की भूमिका निभाकर अपनी टीम के लिए विशेष योगदान देंगी।

शिक्षकों ने किया क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित: कन्या स्कूल के शिक्षक राजेश कुमार सेन ने बताया कि जब क्रांति गौंड कक्षा 9वीं में पढ़ती थी और उनका पढ़ाई में मन नहीं लगता था। तब उन्होंने क्रांति को उसकी इच्छा अनुसार क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित किया। इसमें प्राचार्य बीएल प्रजापति और व्हीके जैन सहित सभी शिक्षकों ने उनका सहयोग किया।

घुवारा में आयोजित क्षेत्रीय महिला क्रिकेट टीम टूर्नामेंट में क्रांति को खेलने का मौका दिया गया, जिसमें उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर घुवारा का नाम रोशन किया और उसी मैच से क्रांति का मनोबल बढ़ता गया और वे क्रिकेट जगत में अपना पैर जमाती गईं।

संस्था प्राचार्य बीएल प्रजापति ने सभी छात्राओं को प्रेरित किया कि जिस क्षेत्र में विशेष रुचि हो और करियर की संभावना लगे, उसी क्षेत्र को चुन कर क्रांति गौंड की तरह आगे बढ़ते रहना चाहिए।

नई चेतना 3.0 महिलाओं की खिलाफहिंसा उन्मूलन के लिए मझौली के सोनवर्षा में गई गतिविधियां

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज के मार्गदर्शन एवं जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन तथा जिला जेंडर नोडल युवा सलाहकार हरी राम त्रिपाठी, वि.ख.नोडल सहायक जिला प्रबंधक प्रशांत मिश्रा के सहयोग से नई चेतना जेण्डर आधारित हिंसा के विरूद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान 3.0 के तहत ग्राम पंचायत सोनवर्षा विकासखंड मझौली में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। इस अभियान में रंगोली, जेंडर शपथ तथा रैली का आयोजन, बेटा-बेटी में भेद भाव को खत्म करने पर चर्चा, ग्राम पंचायत सरपंच सुमन रावत एवं ग्रामीणों के साथ अभियान की चर्चा की गई।

साथ ही नई चेतना अभियान के तहत संवाद एवं शपथ कार्यक्रम आजीविका मिशन कार्यालय म. प्र. डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला प्रबंधक सूक्ष्म वित्त अजय कुमार सिंह, सहायक विकासखंड प्रबंधक भरत सोनी एवं अरुण गौतम की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

म. प्र. डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन सहायक ब्लॉक प्रबंधक चंद्रकांत सिंह एवं भरत सोनी द्वारा बताया गया कि वास्तव में ये जेंडर अभियान पहल समाज में बहुत अच्छे बदलाव लाने का एक अवसर है जिससे हमारे समाज का एक अच्छा निर्माण भी हो रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के संदेश का प्रचार-प्रसार महिलाओं के बीच किया जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान समता समन्वयक लक्ष्मी कुशवाहा, समता सखी माया सिंह, शकुंतला कुशवाहा, सीता बाई सिंह, कमला सिंह, संतोषी मिश्रा एवं समूह सदस्यों द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर समाज के लिए हमें एक अच्छा कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ जिसका वे गर्व भी कर रही हैं। समूह से जुड़ी महिलाओं को नई चेतना जेण्डर आधारित हिंसा के विरूद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान 3.0 के बारे में बताकर जागरूक करने एवं लोक अधिकार केंद्र तक महिलाओं की पहुंच बनाकर उनके हित लाभ के लिए अथक प्रयास हेतु गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां पर हिंसा से प्रभावित महिलाओं को तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया और बचाव सेवाएं, चिकित्सा सहायता, प्राथमिकी दर्ज करने में महिलाओं की सहायता, मनोवैज्ञानिक या परामर्श सहायता, कानूनी सहायता, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा के साथ-साथ मुफ्त पुलिस और अदालती कार्यवाही के दौरान सहायता प्रदान की जाती है। जागरूकता गतिविधियों के तहत बाल विवाह पर रोक लगाए, बेटी-बेटा में भेदभाव न करने एवं हिंसा पर आवाज उठाने संबंधित आदि गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

बछौन ग्राम के सरपंच के खिलाफ कलेक्ट्रेट में शिकायत

निर्माण कार्यों के नाम पर पंचायत खाते से पैसे निकालने का आरोप

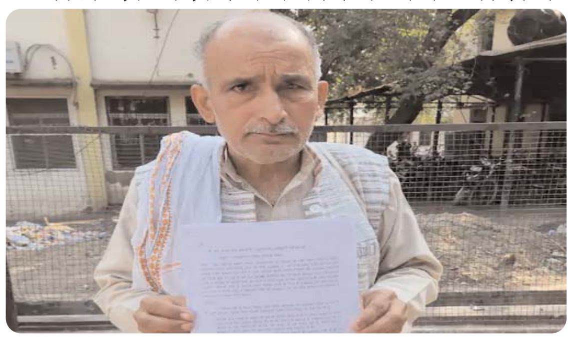

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। जिले के लवकुशनगर जनपद की ग्राम पंचायत बछौन के सरपंच के खिलाफ एक व्यक्ति ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में सरपंच पर निर्माण कार्यों के नाम पर पंचायत खाते से पैसे निकालने का आरोप लगाया गया है। साथ ही दोनों सरपंच के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बछौन गांव के रहने वाले संतराम ने बताया कि सरपंच सीता सोनी और सचिन श्रीराम आसरे ने 3 मार्च 2024 को वार्ड नंबर 1 में झंडीलाल कोरी के मकान से रामबहोरी पांडेय के मकान तक सड़क बनवाने के लिए पंचायत के खाते से 5 लाख 50 हजार रुपए निकाले थे। जबकि सड़क निमार्ण का कोई काम नहीं हुआ है। उसने कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत भी की है, लेकिन मामले की कोई जांच नहीं हुई है। एसडीएम राकेश शुक्ला ने मामले की जांच के निर्देश दिए है।

हैंडपंप और पंचायत भवन बनवाने के नाम पर पैसे निकाले: संतराम ने बताया कि सरपंच ने हेड पंप और पंचायत भवन बनवाने के नाम पर भी पैसे निकाले है। 16 जनवरी को विधायक निधि से हैंडपंप के नाम की 97 हजार रुपए और ग्राम पंचायत भवन बनवाने के नाम पर 3 लाख 48 हजार रुपए निकाले गए, लेकिन उनका भी कोई काम शुरू नहीं हुआ।

पडित चद्रशेखर युवा उत्थान संस्थान की मनाई गई वर्षगांठ

मीडिया ऑडीटर, त्योंथर निप्र। पंडित चंद्रशेखर युवा उत्थान संस्थान कोरांव,त्योंथर में पांच वर्ष से सामाजिक कार्य में अपनी अलग पैठ बना चुकी है, कोरोना काल जैसी वैश्विक बीमारी में जब सब अपने घरों में छुपे रहते थे मजदूर वर्ग पलायन किया तब फिर चाहे भोजन वितरण करना हो या मास्क सेनेटाइजर वितरण घर घर जा कर लोगो को जागरूक करना मास्क खुद बना कर लोगो को देना तत्कालीन सोहागी थाना प्रभारी रहे कन्हैया सिंह बघेल द्वारा भी संस्थान के साथ मिलकर लोगो की मदद कर रहे थे , आओ मिलकर सीखें अभियान के तहत गरीब असहाय बच्चों को पढ़ने से लेकर उनके पठन पाठन की साम्रगी मुहैया कराना रहा हो, बच्चे जो कि सैन्य की तैयारी करते थे उनकी प्रदर्शिता को देखना 1600 मीटर की रनिंग करवाना रहा हो, वॉलीबॉल कबड्डी तिरंगा यात्रा शहीदों परिवारों के सम्मान के साथ साथ अन्य गतिविधियों के साथ संचालित इस संस्थान की पांचवीं वर्षगांठ 15दिसंबर को संगठन के प्रधान कार्यालय ग्राम पुरवा में संगोष्ठी कर आगे के प्रारूप बनाया गया की समाज में किस तरह से लोगों का सहयोग करना है तथा लोगों को जागरूक करना है, इस दौरान

संगठन सचिव मनीष यादव, सह महामंत्री आकाश सिंह बघेल, कार्यालय मंत्री प्रकृति चंद्र गुप्ता, मंत्री शनि जायसवाल, सह कोषाध्यक्ष आयुष,महामंत्री यश कुमार सिंह बघेल, आशुतोष त्रिपाठी,विश्वजीत सिंह सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकताओं ने विधान सभा घेराव में दिखाई ताकत

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। कांग्रेस नेता रामकीर्ति शर्मा ने जारी प्रेस विज्ञाप्ति में कहा कि जीतू पटवारी के मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद से पार्टी संगठन में एक जबरजस्त ऊर्जा का संचार हुआ है उसका परिणाम प्रदेश में 2 विधानसभा सीटों पर हुए उप चुनाव में दिखा है, पटवारी जी की मेहनत रंग लाई और विजयपुर विधानसभा सीट पर जीत हासिल हुई साथ ही 16 दिसम्बर को मध्यप्रदेश विधानसभा घेराव कार्यक्रम लाखों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भोपाल पहुंचकर अपनी उपस्थित दर्ज कराई है जिससे मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी एक सशक्त रूप में दिखी है और पार्टी कार्यकर्ताओं में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से एक नई आस जागी है कि आगामी समय में होने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी प्रदेश में बहुमत के साथ सशक्त सरकार बनायेगी और मध्यप्रदेश कांग्रेस का कार्यकर्ता प्रदेश में बढ़ रहे भाजपा सरकार के कुशासन से ताकत के साथ लड़ाई लड़ने को कमर कस चुका है।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के एमबीए डिपार्टमेंट में लगा लर्निंग लाइसेंस का शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। परिवहन विभाग ने आज एम बी ए डिपार्टमेंट में लर्निंग लाइसेंस का सिविर लगाया गया। जिसमे मुख्यतः बीबीए के छात्रो को प्रशिक्षण दिया गया।कालेज में छात्रो को आधार कार्ड के माध्यम से लाइसेंस बनाने के बारे में बताया गया। जिसमे छात्रों को वही पर डेमो भी दिया गया। ऑनलाइन लाइसेंस में 20 प्रश्न आते है जिसमे 12 प्रश्नों के सही उत्तर देने होते है। बीबीए के छात्रो ने सभी 12 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।वाहन चलाने में लाइसेंस का महत्व क्या होता है यह छात्रो को समझाया गया। शिविर में एच ओ डी अतुल पांडे जी डॉ आनंद सिंह डॉ पंकज सिंह डॉ हर्षित सिंह और छात्र छात्राए उपस्थित रहे। शिविर में आर टी ओ रीवा और परिवहन सुरक्षा स्क्वाड प्रभारी सहित लाइसेंस सेक्शन प्रभारी और टेक्नीशियन उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के पश्चात हेड ऑफ़ डिपार्टमेंट अतुल पांडे जी के हाथी से छात्रो को लाइसेंस प्रदाय किया गया।

विचार

हर थाप में थी भावनाओं की गहराई

उस्ताद जाकिर हुसैन का एक चित्र महान कत्थक नृतक बिरजू महाराज के राजधानी के शाहजहां रोड के फ्लैट में ड्राइंग रूम में लगा हुआ था। उसमें उस्ताद जाकिर हुसैन और बिरजू महाराज खिलखिला रहे हैं। उसे देखकर बिरजू महाराज कहते थे, उस्ताद जाकिर हुसैन से बेहतर तबला वादक अब कोई पैदा नहीं होगा। ये दोनों ही अपनी-अपनी कलाओं के महारथी थे, और जब वे साथ में प्रस्तुति करते, तो एक जादुई माहौल बन जाता था। उस्ताद जाकिर हुसैन की मृत्यु से सारा देश उदास है।

उस्ताद जाकिर हुसैन अपनी अद्भुत तकनीक और तबले पर महारत के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनकी लय और ताल की समझ अविश्वसनीय थी। वे जटिल तालों को भी सहजता से बजाते थे, जिससे संगीत में एक अलग ही रंगत आ जाती थी। जाकिर हुसैन का संगीत सिर्फ तकनीकी कौशल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं की गहराई भी है। उनकी हर थाप में एक कहानी छिपी होती है, जो दर्शकों के दिलों को छू जाती है। वो फरवरी का महीना था और साल था 2012 । दिल्ली में जाड़ा पड़ रहा था। उस दिन राजधानी के शास्त्रीय संगीत के रसिया नेहरू पार्क का रुख कर रहे थे उस्ताद जाकिर हुसैन के जादू को देखने के लिए। उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपनी उंगलियों और हथेलियों से ऐसी ध्वनियां निकालीं, जो पहले कभी नहीं सुनी गईं थीं। दरअसल उस दिन तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन ने नेहरू पार्क में शिव कुमार शर्मा के साथ जुगलबंदी पेश की थी। करीब सैकड़ों संगीत प्रेमियों के बीच जब दोनों उस्तादों ने तान छेड़ी तो फिर जो समां बंधा, उसे कौन शब्दों में बयां कर सकता है। करीब दो घंटे की जुगलबंदी में दोनों उस्तादों ने अपने चाहने वालों की भरपूर तालियां बटोरीं। अफसोस कि उस जुगलबंदी के दोनों उस्ताद अब संसार में नहीं रहे। उस्ताद जाकिर हुसैन दिल्ली में बीती आधी सदी से भी अधिक समय से अपने कार्यक्रम दे रहे थे। भारतीय संगीत को उनके खास अंदाज की वजह से अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली थी। उन्होंने दिल्ली में दर्जनों कंसर्ट पेश किए। जाकिर हुसैन ने कमानी सभागार में 2019 में एक यादगार प्रस्तुति दी थी। मौका था श्रीराम कला केन्द्र के संस्थापक लाला चरत राम की याद में आयोजित एक कार्यक्रम का। उसमें श्रीराम कला केन्द्र की प्रमुख शोभा दीपक सिंह ने बताया था कि जाकिर हुसैन श्रीराम कला केन्द्र के कार्यक्रमों में अपने पिता उस्ताद अल्लाह रखा खान के साथ आते थे। जाकिर हुसैन ने जब दिल्ली के कमानी सभागार में प्रस्तुति दी, तो वह एक अविस्मरणीय शाम थी।

अपनों के निशाने पर आने के बाद क्या अब नीतियों में बदलाव लाएगी कांग्रेस?

उमेश चतुर्वेदी

संविधान पर संसद में विशेष बहस पर अपने नेताओं प्रियंका वाड्रा और राहुल गांधी के भाषणों को लेकर जिस वक्त कांग्रेस गद्गद् हो रही थी, उसी वक्त उस पर कश्मीर की वादियों से सियासी गर्मी का जबर्दस्त झोंका आया। जमू-कश्मीर के मुयमंत्री उमर अदुल्ला ने कांग्रेस को सीधे-सीधे सलाह दे डाली कि ईवीएम का रोना छोड़ो और अपनी हार को स्वीकार कर लो। दिलचस्प यह है कि लोकसभा के अपने पहले भाषण में संविधान पर चर्चा के दौरान प्रियंका वाड्रा ने कहा था कि ईवीएम हटा दो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। प्रियंका के इस बयान के ठीक बाद सामने आए उमर अदुल्ला के ये शद महज बयान नहीं है, बल्कि इसके कई राजनीतिक अर्थ हैं।

उमर के इस बयान को ममता बनर्जी और रामगोपाल यादव की अभिव्यक्ति की अगली कड़ी के रूप में रखा जा सकता है। यहां एक बार फिर दोहरा देना उचित ही होगा कि इंडिया गठबंधन के अघोषित अगुआ को रूप में राहुल गांधी को नकार चुकी हैं और समाजवादी पार्टी के महासचिव रामगोपाल यादव कांग्रेस की अगुआई को ही नकार चुके हैं। उमर अब्दुल्ला ने अपने बयान के जरिए एक तरह से साफ कर दिया है कि कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में उनका भरोसा नहीं है। आज की राजनीति जिस बिंदु पर पहुंच चुकी है, उसमें अगुआ की हर गलत-सही बात का समर्थन करना ही अनुयायियों की पहली शर्त बन गई है। तार्किक

आधार पर समर्थन और विरोध की सोच को हमारे समाज ने सिरे से नकार दिया है। यह नकार राजनीति में सबसे ज्यादा नजर आता है। अगुआ की बात को अनुयायी ने स्वीकार नहीं किया तो उसे सीधे-सीधे नाफरमानी या अनुशासनहीनता माना जाता है। दलीय व्यवस्था में ऐसे नकार की सजा निष्कासन और निलंबन तय है। चूंकि इंडिया गठबंधन औपचारिक कोई दल नहीं, बल्कि दलों का समूह है, लिहाजा यहां वैसी अनुशासनिक व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद मोटे तौर पर गठबंधनों के बीच एक समझ रही है कि गठबंधन और उसके अगुआ की सेहत पर असर ना पड़े, ऐसी बयानबाजी से दूर रहा जाए। लेकिन ममता बनर्जी, रामगोपाल यादव और उमर अब्दुल्ला के बयान के संदेश साफ हैं। संदेश यह है कि कांग्रेस की अगुआई में उन्हें नरेंद्र मोदी को चुनौती दे पाने की ताकत राहुल गांधी में नहीं दिखती। इन बयानों का एक संदेश यह भी है कि राहुल गांधी की अगुआई में इन दलों का कम से कम राष्ट्रीय स्तर पर कोई भविष्य नहीं है। लेकिन उमर अब्दुल्ला इससे आगे का भी संकेत दे रहे हैं। ईवीएम के बहाने वे कांग्रेस को यह भी संदेश दे रहे हैं कि 'मीठा-मीठा गप और कड़वा-कड़वा थू' की वैचारिक सोच वाली राजनीति लंबे समय तक नहीं चल सकती। यह कैसे हो सकता है कि जिस ईवीएम के सहारे आप अमेठी और वायनाड जीतने के बाद आप जश्न में डूब सकते हैं, जिसके सहारे 55 से 99 सीटों पर पहुंच जाते हैं तो इसे अपनी भारी जीत बताते हैं, जिस ईवीएम के ही सहारे जब आप कर्नाटक, हिमाचल और झारखंड और यहां तक कि कश्मीर जीत जाते हैं तो इसे नरेंद्र मोदी की हार बताने लगते हैं, लेकिन अगर चुनावी रणनीति में मात खाने के बाद सत्ता की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो ईवीएम को दोषी ठहराने लगते हैं। यह दोहरापन नहीं चलनेअगर ईवीएम पर इतना ही संदेह है तो संदेह करने वाले दलों को चाहिए कि वे ईवीएम के जरिए होने वाले चुनावों का बहिष्कार करें। इसके बाद अगर चुनाव होगा तो निश्चित है कि इस चुनाव की पवित्रता सवालों के घेरे में आ जाएगी। अगर ईवीएम पर संदेह करने वाले दल चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो जाएं तो विपक्ष विहीन चुनाव को जनता भी स्वीकार नहीं कर पाएगी और उस चुनाव को सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग नहीं माना जा सकेगा।

ऐसे में सरकार और चुनाव आयोग दबाव में आ सकते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए ईवीएम पर संदेह करने वाले दलों में साहस होना चाहिए। दुर्भाग्य से ऐसा साहस कोई दल दिखाता नजर नहीं आ रहा। इसकी वजह यह है कि कोई भी दल संसदीय राजनीति के उस रसूख को छोड़ने का साहस नहीं रखता, जो उसे सांसद या विधायक बनने के बाद हासिल होता है। इन दलों और उनके नेताओं को पता है कि संसद और विधानमंडल से बाहर रहने के बाद उनकी बातें गौर से सुनीं नहीं जातीं और उनके शब्दों को तवज्जो भी नहीं मिलता। इसलिए वे ईवीएम पर सवाल भी उठा रहे हैं और उसी ईवीएम के जरिए संसदीय कुर्सियों पर भी

काबिज रहना चाहते हैं। यह भी एक तरह से चारित्रिक दोहरापन ही है और उमर अब्दुल्ला का यह बयान उस दोहरापन से खुद को अलग करने की कोशिश भी हो सकता है।

वैसे कांग्रेस के लोगों से ऑफ द रिकॉर्ड बात कीजिए तो वे भी मानते हैं कि चाहे ईवीएम का मुद्दा हो या किसानों का आंदोलन, उनके लिए सिर्फ कवरअप के मुद्दे हैं। कवरअप यानी बचाव का मुद्दा। पार्टी के अंदरूनी सूत्र भी मानते हैं कि जिन कृषि कानूनों के विरोध में कांग्रेस राजनीति कर रही है, उन्हें उसकी ही सरकार ने तैयार किया था। ईवीएम का चलन 2004 में पूरी तरह शुरू हुआ। जिसमें कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी यूपीए को जीत मिली थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे। तब तो कांग्रेस को यह जीत बहुत पसंद आई थी। इसके अगले यानी 2009 के चुनाव में भी यूपीए को दूसरी

बार जीत मिली। तब भी ईवीएम पर कम से कम कांग्रेस की ओर से सवाल नहीं उठा। तब लालकृष्ण आडवाणी खेमे की ओर से ईवीएम पर सवाल उठा तो उसे सिरे से खारिज कर दिया गया। इसके बाद आडवाणी के लोगों ने उसे तूल नहीं दिया। लेकिन 2014 के बाद से लगातार ईवीएम पर कांग्रेस की ओर से लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। जबकि कांग्रेस भी जानती है कि ईवीएम में दोष नहीं है, उसकी नीतियों में ही कमी है, जिसकी वजह से वोटर उसे स्वीकार नहीं कर पा रहा है।

ऑफ द रिकॉर्ड अगर कांग्रेसी नेताओं से बात होती है तो वे मानते हैं कि किसान कानून और ईवीएम का विरोध दरअसल उसके लिए बचाव के मुद्दे हैं। कांग्रेस इन मुद्दों के जरिए अपनी नाकामियां छिपाती रहती है। उदाहरण के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के हालिया बयान को लेकर उनके खिलाफ कपिल सिब्बल की अगुआई में महाभियोग चलाना कुछ-कुछ वैसा ही मामला होने जा रहा है, जैसा 1986 में शाहबानो को गुजारा भत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद से नया कानून बना दिया गया था। बहुसंख्यक सोच जबकि इसके खिलाफ थी, कुछ इसी तरह शेखर यादव के बयान को

लेकर महाभियोग चलाने के फैसले से बहुसंख्यक वोट बैंक सहमत नहीं है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को लेकर बहुसंख्यक समाज में विरोध के सुर भले ही खुले तौर पर ना उठें, लेकिन चुनावी मैदान में इसे लेकर बहुसंख्यक वोट बैंक अपना गुस्सा निकाल सकता है। फिर भी कांग्रेस अपनी हार के लिए अपने रूख को लेकर सवाल नहीं उठाएगी, अपने भीतर झांकने की कोशिश नहीं करेगी,बल्कि वह ईवीएम को ही बहाना बनाएगी। बहरहाल उमर अब्दुल्ला के बयान के बाद कांग्रेस को सबक सीखना होगा। उसे स्वीकार करना होगा कि उसकी बेतुकी बयानबाजी पर सिर्फ सत्ता पक्ष ही नहीं, उसके साथियों को भी एतराज है।

गरीब वर्ग के लिए बेहद लाभकारी है भारत की दान

प्रह्लाद सबनानी

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में दान दक्षिणा की प्रथा का अलग ही महत्व है। भारत में विभिन्न त्यौहारों एवं महापुरुषों के जन्म दिवस पर मठों मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर समाज के सम्पन्न नागरिकों द्वारा दान करने की प्रथा अति प्राचीन एवं सामान्य प्रक्रिया है। गरीब वर्ग की मदद करना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा माना जाता है। समाज में आपस में मिल बांटकर खाने पीने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है और यह प्रथा भारतीय समाज में बहुत आम है। परिवार में आई किसी भी खुशी की घटना को समाज में विभिन्न वर्गों के बीच आपस में बांटने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है। इस उपलक्ष्य में कई बार तो बहुत बड़े स्तर पर सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं। जैसे जन्म दिवस मनाना, परिवार में शादी के समारोह के पश्चात समाज में नाते रिश्तेदारों, दोस्तों एवं मिलने वालों को विशेष आयोजनों में आमंत्रित करना, आदि बहुत ही सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत के विभिन्न मठों, मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर प्रतिदिन 10 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रसादी के रूप में भोजन वितरित किया जाता है।

साथ ही, पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जिसमें निवासरत नागरिक, चाहे वह कितना भी गरीब से गरीब क्यों न हो, अपनी कमाई में से कुछ राशि का दान तो जरूर करता है। भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि हिंदू सनातन संस्कृति के अनुरूप, महर्षि दधीच ने तो, देवताओं को असुरों पर विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से, अपने शरीर को ही दान में दे दिया था, जिसे इतिहास में उच्चत्तम बलिदान की संज्ञा भी दी जाती है।

आज के युग में जब अर्थ को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है, तब अधिक से अधिक धनराशि का दान करना ही शुभ कार्य माना जा रहा है। इस दृष्टि से वैश्विक स्तर पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि दुनिया में सबसे बड़े दानदाता के रूप में आज भारत के टाटा उद्योग समूह के श्री रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आता है। इस सूची में टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेदजी टाटा का नाम भी बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में 8.29 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। इसी प्रकार, श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने वर्ष 2021 तक 8.59 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। आप अपनी कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब वर्ग की सहायतार्थ दान में दे देते थे। श्री रतन टाटा केवल भारत स्थित संस्थानों को ही दान नहीं देते थे बल्कि वैश्विक स्तर पर समाज की भलाई के लिए कार्य कर रहे संस्थानों को भी दान की राशि उपलब्ध कराते थे। आपने वर्ष 2008 के महामंदी के दौरान अमेरिका स्थित कार्नेल विश्वविद्यालय को 5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान प्रदान किया था। श्री रतन टाटा ने आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जे. एन. टाटा एंडाउमेंट, सर रतन टाटा स्कॉलर्शिप एवं टाटा स्कॉलर्शिप की स्थापना कर दी थी। श्री रतन टाटा चूंकि अपनी कमाई का बहुत बड़ा भाग दान में दे देते थे, अत: उनका नाम कभी भी अमीरों की सूची में बहुत ऊपर उठकर नहीं आ पाया। इस सूची में आप सदैव नीचे ही बने रहे। श्री रतन टाटा जी के

बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपने जीवन काल में इतनी बड़ी राशि का दान किया था कि आज विश्व के 2766 अरबपतियों के पास इतनी सम्पत्ति भी नहीं है।

यूं तो टाटा समूह ने भारत राष्ट्र के निर्माण में बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, परंतु कोरोना महामारी के खंडकाल में श्री रतन टाटा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जिस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा था, उस समय श्री रतन टाटा ने न केवल भारत बल्कि विश्व के कई अन्य देशों को भी आर्थिक सहायता के साथ साथ वेंटिलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, मास्क और दस्ताने आदि सामग्री उपलब्ध कराई। श्री रतन टाटा के निर्देशन में टाटा समूह ने इस खंडकाल में 1000 से अधिक वेंटिलेटर और रेस्पिरेटर, 4 लाख पीपीई किट, 35 लाख मास्क और दास्ताने और 3.50 लाख परीक्षण किट चीन, दक्षिणी कोरिया आदि देशों से भी आयात के भारत में उपलब्ध कराए थे।

श्री रतन टाटा के पूर्वज पारसी समुदाय से थे और ईरान से आकर भारत में रच बस गए थे। श्री रतन टाटा ने न केवल भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपने जीवन में उतारा, बल्कि इन संस्कारों का अपने पूरे जीवनकाल में अक्षरशः अनुपालन भी किया। इन्हीं संस्कारों के चलते श्री रतन टाटा को आज पूरे विश्व में सबसे बड़े दानदाता के रूप में जाना जा रहा है।

टाटा समूह का वर्णन तो यहां केवल उदाहरण के रूप में किया जा रहा है। अन्यथा, भारत में ऐसे कई औद्योगिक घराने हैं जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति को ही ट्रस्ट के माध्यम से समाज के उत्थान एवं समाज की भलाई के लिए दान में दे दिया है। प्राचीन भारत में यह कार्य राजा महाराजाओं द्वारा किया जाता रहा हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के विभिन्न शास्त्रों में यह वर्णन मिलता है कि ईश्वर ने जिसको सम्पन्न बनाया है, उसे समाज में गरीब वर्ग की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए। यह सहायता गरीब वर्ग को सीधे ही उपलब्ध कराई जा सकती है अथवा ट्रस्ट की स्थापना कर भी गरीब वर्ग की मदद की जा सकती है। वर्तमान में तो निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर - कोरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) के सम्बंध में कानून की बना दिया गया है। जिन कम्पनियों की सम्पत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक व्यापार 1000 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक शुद्ध लाभ 5 करोड़ से अधिक है, उन्हें इस कानून के अंतर्गत अपने वार्षिक शुद्ध लाभ के दो प्रतिशत की राशि का उपयोग समाज की भलाई के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं पर खर्च करना आवश्यक होता है। इन विभिन्न मदों पर खर्च की जाने वाली राशि का प्रतिवर्ष अंकेक्षण भी कराना होता है, ताकि यह जानकारी प्राप्त की जा सके राशि का सदुपयोग समाज की भलाई के लिए किया गया है एवं इस राशि का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग नहीं हुआ है।

श्रीरामलला दर्शन योजना

मुख्यमंत्री की सौगात से जिले के श्रद्धालुओं को मिल रहा रामलला की दर्शन का सौभाग्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ सरकार की श्रीरामलला दर्शन योजना से एमसीबी जिले के लिए किसी सौगात से कम नहीं है। इस योजना के माध्यम से यहॉ के श्रद्धालुओं का वर्षों पुराना सपना साकार हो रहा है। योजना के अंतर्गत जिले वासियों को निःशुल्क अयोध्या धाम और काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करवाए जा रहे हैं। विशेष ट्रेनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को यात्रा की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जहां उन्हें उत्कृष्ट व्यवस्था के साथ धार्मिक स्थलों का दर्शन कराया जा रहा है। अयोध्या और काशी की यात्रा किसी भी श्रद्धालु के लिए आध्यात्मिक सुख और जीवन का महत्वपूर्ण अवसर है। इस योजना के माध्यम से एमसीबी जिले के लोग अपने आराध्य श्रीरामलला और बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर रहे हैं।

इस योजना ने श्रद्धालुओं के लिए एक ऐसी सुविधा प्रदान की है, जो न केवल उनकी आस्था को मजबूत कर रही है बल्कि समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर भी रहा है। जिला एमसीबी के ओमप्रकाश जैन अपनी पत्नी के साथ श्री रामलला के दर्शन करने गए थे। यात्रा के बाद उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की इस योजना ने उनके जैसे आम लोगों को भी अयोध्या और काशी के दर्शन का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान सारी व्यवस्थाएं बेहतरीन था। और किसी को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हुई। खाने-पीने की उत्तम व्यवस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया। श्री ओमप्रकाश जैन ने भावुक होते हुए कहा कि अयोध्या धाम में श्री रामलला के दर्शन करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यह अवसर हमें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की वजह से मिला है। उन्होंने अपना वादा निभाया और हमारे लिए यह अविस्मरणीय अनुभव बना दिया। उनकी पत्नी ने भी यात्रा के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पूरे सफर के दौरान महिलाओं के लिए विशेष ध्यान रखा गया। ट्रेन में स्वच्छता से लेकर सुरक्षा तक की सारी व्यवस्था बहुत अच्छी थी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान हमने कभी यह महसूस नहीं किया कि हम किसी प्रकार की परेशानी में हैं। यात्रा बहुत सुखद और आनंदमयी रही।

जिले में बढ़ती रही श्रद्धालुओं की संख्या: श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत एमसीबी जिले से अब तक कुल 6 बार विशेष ट्रेन के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा करा चुके हैं। इस जिले से लगभग 322 श्रद्धालुओं को श्री रामलला के दर्शन का अवसर मिला है। यात्रा से लौटने वाले श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री और राज्य शासन का बार-बार आभार व्यक्त किया। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने बताया कि उनके लिए यह जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और सुखद अनुभव रहा। यात्रा कर लौटे श्रद्धालुओं का कहना है कि मुख्यमंत्री ने हमें यह अवसर देकर हमारे जीवन की सबसे बड़ी इच्छा पूरी कर दी है। हम भगवान श्रीरामलला के दर्शन कर पाए, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यात्रा के दौरान हमें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। व्यवस्था इतनी बेहतरीन थी कि हमें घर जैसा अनुभव हुआ।

सुरक्षा और सुविधाओं का दिया जा रहा विशेष ध्यान: यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। खाने-पीने की उत्तम व्यवस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया। ट्रेन में सफाई की व्यवस्था इतनी अच्छी थी कि यात्रियों ने विशेष रूप से इसका जिक्र किया। यात्रा के दौरान सभी यात्रियों को समय-समय पर भोजन और नाश्ते की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही बुजुर्गों और महिलाओं के लिए विशेष सुविधा और सहारा उपलब्ध था। श्रद्धालुओं ने बताया कि यात्रा के दौरान न केवल हमारी जरूरतों का ध्यान रखा गया, बल्कि पूरे सफर को आनंददायक बनाने के लिए हर छोटी-बड़ी बात पर विषेश ध्यान दिया गया। सरकार की इस योजना ने हमें यह महसूस कराया कवे हमारी आस्था और भावनाओं का सम्मान करते हैं।

श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा के सुखद अनुभव को किया साझा: एमसीबी जिले के कई श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम पहुंचकर जब उन्होंने श्री रामलला के दर्शन किए, तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। यह उनके जीवन का सबसे यादगार पल था। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला के दर्शन का अनुभव शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह सिर्फ एक यात्रा नहीं थी, बल्कि हमारे लिए जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य था। वहीं ओमप्रकाश जैन ने यात्रा को याद करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान हमें हर तरह की सुविधा मिली। सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि हमें किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। खाने-पीने से लेकर आराम करने तक की सारी व्यवस्थाएं बहुत ही व्यवस्थित थीं।

मुख्यमंत्री के प्रति श्रद्धालुओं ने जताया आभार व्यक्त: यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और जिले वासियों से किया गया अपना वादा निभाया है। यह योजना न केवल श्रद्धालुओं के लिए एक अवसर है बल्कि यह छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था को भी सशक्त बना रही है। श्रद्धालुओं ने बताया कि हमारे मुख्यमंत्री ने हमें भगवान श्रीरामलला और बाबा विश्वनाथ के दर्शन करवाकर हमारी वर्षों पुरानी मनोकामना पूरी कर दी। उनके प्रति हम सदैव कृतज्ञ रहेंगे।

जिले में हो रहा श्री रामलला दर्शन योजना का व्यापक असर: श्रीरामलला दर्शन योजना का असर पूरे प्रदेश में देखने को मिल रहा है। यह योजना न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि यह सामाजिक एकता और सद्भाव को भी बढ़ावा दे रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से लोग इस यात्रा में शामिल होकर अपने जीवन का सबसे सुखद अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। जिला एमसीबी के श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से बार-बार अयोध्या और काशी की यात्रा पर जाना चाहते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि अवसर मिला तो हम लोग दोबारा यह यात्रा करना चाहेंगे।

फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले 9 संदिग्ध गिरफ्तार

एएसपी की पूछताछ में नहीं दे पाए सही जवाब, सभी को थाने ले गई पुलिस

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। दुर्ग की ट्रैफिक एएसपी ऋचा मिश्रा ने बोरिया मार्केट, पावर हाउस मार्केट, सेक्टर 6एफ मार्केट, संडे मार्केट, फरीद नगर और नेहरू नगर मार्केट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों के पहचान पत्र चेक किए। इस दौरान 9 दुकानदार सही जवाब नहीं दे पाए। इसलिए उन्हें थाने भेज दिया गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। सभी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों पर कार्रवाई की: एएसपी सिटी ऋचा मिश्रा ने बताया कि उन्होंने लगातार दो दिनों तक अपनी टीम के साथ बोरिया मार्केट, पावर हाउस मार्केट, सेक्टर 6 एफ मार्केट, संडे मार्केट, फरीद नगर और नेहरू नगर क्षेत्र का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों पर कार्रवाई की। उन्हें सड़क पर दुकान ना लगाने की समझाइश दी गई। इस दौरान उन्होंने दुकान संचालकों से उनका परिचय पत्र मांगा और उनसे पूछताछ भी की। पूछताछ करने पर 9 संदिग्ध व्यक्ति ऐसे मिले, जो ना तो अपना परिचय पत्र दिखा पाए और ना ही पुलिस के सवालों का सही से जवाब दे पाए। इस पर उन्होंने सभी को भेजा और वहां उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है।

600 से अधिक के खिलाफ हुई वैधानिक कार्रवाई: एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि पुलिस पिछले दो तीन दोनों से लगातार अलग-अलग थाना क्षेत्र में मुसाफिरों की जांच कर रही है। इस दौरान पुलिस ने बिना सूचना के रह रहे 522 नागरिकों की पहचान की है। वहीं लगभग 600 अधिक ऐसे बाहरी नागरिकों की पहचान की गई है, जो बिना सूचना दिए किराए का मकान लेकर रहते हैं।

इन सभी के खिलाफ धारा 128 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही साथ इन बाहरी नागरिकों को प्रश्रय देने वाले मकान मालिकों और मजदूर ठेकेदारों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर बाउंड ओवर कराया गया है।

तलवार लेकर बदमाशों ने मचाया बवाल

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में पुरानी रंजिश के चलते बदमाशों ने जमकर हंगामा मचाया। इस दैरान तलवार सहित लाठी-डंडे से लैस बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी ऑटो और ई-रिक्शा में तोड़फोड़ कर दी। बदमाशों की हरकतों को देखकर परिवार की महिलाओं ने घर में छिपकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने हमलावरों पर केस दर्ज कर लिया है। घटना तारबाहर थाना क्षेत्र की है।

तारबाहर के इंदिरा कालोनी में निवासी सत्यनारायण धनकर व्यापारी हैं। उसके भतीजे नानू धनकर से दो-तीन महीने पहले कंस्ट्रक्शन कालोनी निवासी गुलशन हाडलेस्कर ने मारपीट की थी। इसके बाद से उनके बीच विवाद चल रहा था। बदमाश युवक उससे रंजिश रखने लगे थे।

कुसमुंडा खदान में कोयले के ढेर में लगी आग

एक सप्ताह से बुझाने की कोशिश जारी, धुएं से स्थानीय लोग परेशान

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा में साउथ ईस्ट कोल लिमिटेड कुसमुंडा खदान में पिछले एक सप्ताह से कोयले के ढेर में आग लगी हुई है। आग बुझाने के लिए कई टैंकर पानी खपाया जा चुका है। आग बुझाने के दौरान धुएं का गुबार भी उड़ता नजर आ रहा है। एसईसीएल के अधिकारियों ने बताया कि आग को बुझाने के लिए विशेषज्ञों की टीम लगाई गई है, लेकिन आग को पूरी तरह से बुझाने में समय लग सकता है। उन्होंने बताया कि आग के कारण कोयले की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, लेकिन इसका असर खदान के उत्पादन पर नहीं पड़ेगा।

आग पर काबू पाने संबंधित स्ध्वष्टरुके दमकल वाहन के अलावा आसपास पानी के जो स्रोत है, उससे भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। लेकिन मंगलवार तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। आग कैसे और किन परिस्थितियों में लगी है, अब तक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। आग के कारण आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण भी हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग के कारण उनके घरों में धुआं और कोयले की गंध आ रही है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की आरक्षण लॉटरी निरस्त

17 और 19 दिसंबर को होने वाली थी प्रक्रिया, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने जारी किया आदेश

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2024-25 की आरक्षण प्रक्रिया को शासन ने निरस्त कर दिया है। बिलासपुर में 17 और 19 दिसंबर को लाटरी के माध्यम से आरक्षण रोस्टर जारी किया जाना था। इसी बीच सोमवार 16 दिसंबर को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पत्र जारी कर इसे निरस्त करने की जानकारी दी है। अब इस दिन केवल शहरी निकाय चुनावों के लिए आरक्षण प्रक्रिया होगी।

दरअसल, त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं में आरक्षण की प्रक्रिया लॉटरी के जरिए 17 और 19 दिसंबर 4 को होने वाली थी। तय कार्यक्रम के अनुसार 17 दिसंबर को वार्ड पंच, सरपंच और जनपद सदस्यों के पदों का और 19 दिसंबर को जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य पदों का आरक्षण किया जाना था। कलेक्टर अवनीश शरण ने आरक्षण की कार्रवाई के लिए अधिकारियों की नियुक्ति भी कर दी थी।

पंचायतों की आरक्षण लॉटरी स्थगित करने का आदेश: कलेक्टर कार्यालय की ओर से शासन के निर्देश का पालन करते हुए जिला पंचायत निर्वाचन क्षेत्र, जनपद पंचायत अध्यक्ष, सरपंच, और वार्ड पंचों के आरक्षण से संबंधित 12 दिसंबर को जारी सभी आदेशों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की आरक्षण प्रक्रिया के लिए नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी।

19 दिसंबर को नगरीय निकायों की आरक्षण लॉटरी: बिलासपुर नगर निगम सहित जिले के 3 नगर पालिका परिषद रतनपुर, तखतपुर और बोदरी और 3 नगर पंचायत कोटा, बिल्हा और मल्हार के वार्डों का आरक्षण 19 दिसंबर को कलेक्टोरेट स्थित मंथन सभाकक्ष में होगा। आरक्षण की प्रक्रिया सबसे पहले बिलासपुर नगर निगम के 70 वार्डों के आरक्षण से होगी। इसके लिए सायं 3 बजे से 4 बजे का समय निर्धारित किया गया है। कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने इसकी सूचना जारी करते हुए जिले के सभी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों और नागरिकों से आरक्षण प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहने की अपील की है।

सरगुजा संभाग में पाट से लेकर मैदान तक पड़े पाले

शीतलहर के कारण पड़ रही कड़ाके की ठंड, अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। उत्तरी शीतलहर के कारण उत्तर छत्तीसगढ़ में पाटों से लेकर मैदानी इलाकों तक जमकर पाले पड़ रहे हैं। पिछले 24 घंटों में सरगुजा संभाग के अधिकांश स्थानों में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री के नीचे दर्ज किया गया है। संभाग के मैनपाट और सामरीपाट में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री के नीचे दर्ज किया गया है। सरगुजा संभाग में इतनी ठंड 13 वर्षों बाद पड़ रही है।

उत्तर छत्तीसगढ़ में शीतलहरों के कारण एक सप्ताह से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मंगलवार को संभाग मुख्यालय अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले तीन दिनों से अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 4 डिग्री के करीब बना हुआ है।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से शीतलहर में ब्रेक लगने के आसार हैं, जिससे आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान बढ़ने के संकेत हैं।

पाट से लेकर मैदानों तक जमकर पड़े पाले: शीतलहरों के कारण संभाग के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री से 5 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया है। इस दौरान बलरामपुर जिला सर्वाधिक ठंडा रहा। मंगलवार को बलरामपुर में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया है। बलरामपुर जिले में पाट से लेकर मैदानी इलाकों में भी जमकर पाले पड़े।

बलरामपुर के साथ सूरजपुर, कोरिया, सरगुजा और जशपुर जिलों में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। पाट से लेकर मैदानी इलाकों में मंगलवार को भी अधिकांश स्थानों पर पाले पड़े नजर आए। उत्तर भारत में बर्फबारी के बाद आ रही सर्द हवाओं के कारण इस वर्ष सरगुजा में इतनी ठंड पड़ रही है।

बादलों के कारण ठंड में कमी की उम्मीद: मौसम वैज्ञानी एएम भट्ट ने बताया कि, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है। इसके कारण नम हवाओं के साथ बादल सरगुजा संभाग में प्रवेश करने लगे हैं। इससे शीतलहरों का असर कम होने लगेगा और न्यूनतम तापमान में बढ़ोत्तरी होगी। हालांकि यह राहत आंशिक है।

नगरीय निकाय चुनाव की वार्ड आरक्षण/महिला लॉटो की कार्यवाही 19 को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पंचायत निर्वाचन आरक्षण, जिला सदस्य जनपद अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य, पंचायत सदस्य, नगरीय निकाय और नगर पंचायत आम निर्वाचन 2024 के तहत नगरपालिक निगम चिरमिरी और नगर पंचायत जनकपुर वार्ड के आरक्षण की प्रक्रिया 19 दिसंबर 2024 को आयोजित की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सी.एस. पैकरा, संबंधित सेक्टर अधिकारी, पीठासीन अधिकारी और निर्वाचन संचालन के आरओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ नगरपालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिला) नियम 1994 के प्रावधानों के तहत जिले के नगरीय निकायों और नगर पंचायतों के वार्डों का आरक्षण 19 दिसंबर को किया जाएगा। नगरपालिक निगम चिरमिरी की 40 वार्ड की आरक्षण महिला लॉटो की कार्यवाही 3 बजे से और नगर पंचायत जनकपुर के 15 वार्डों का आरक्षण महिला लॉटो की कार्यवाही 19 दिसम्बर को 2 बजे तक निर्धारित समय में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में होगा।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की इस प्रक्रिया के दौरान आम नागरिक भी उपस्थित हो सकते हैं। प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आरक्षण प्रक्रिया के लिए महिला लॉटो के प्रवर्गवार स्थानों का आवंटन किया जाएगा, जिसे जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पूरा किया जाएगा। इस बैठक में नाम वापसी से जुड़ी प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने बताया कि नाम वापसी की प्रक्रिया केवल आरओ द्वारा ही की जाएगी और इसके लिए नाम वापसी का मूल पावती पत्र आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त, नाम वापसी की प्रक्रिया को रिकॉर्ड में रखने के लिए उसका वीडियो और फोटो भी बनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

जनदर्शन में आए 15 आवेदन

आम नागरिकों से मिलने वाले आवेदनों का निराकरण समय-सीमा पर करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए।

आज के जनदर्शन में आवेदक संजू सिंह निवासी मनेन्द्रगढ़ मेरा मजदूरी का पैसा को मालिक के द्वारा न दिये जाने के संबंध में, श्रीकांत निवासी बिछियाटोला खेल में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के संबंध में, राम सिंह निवासी डोमना पंजीयन किये जाने के संबंध में, अश्विनी कुमार निवासी मनेंद्रगढ़ विद्युतीकरण समाग्री के राशि का भुगतान करने के संबंध में, अभय बड़ा पार्षद निवासी मनेंद्रगढ़ गैस कनेक्शन के लिए खोदे जा रहे गढ्ढे से दुर्घटना होने के सम्भावना के संबंध में, समस्त ग्राम वासी घाघरा स्वास्थ अधिकारी को आरोग्य मंदिर घाघरा में पदस्य किये जाने के संबंध में, समस्त ग्राम वासी बहेराटोला शिक्षक को पदस्य किये जाने के संबंध में, मीरा देवी गाँव चनवारीडांड शौचालय निर्माण में सहयोग के संबंध में, रवि शंकर मिश्रा साल्ही नामांतरण के संबंध में, गुलाब कली घटई आवास प्रदाय किये जाने के संबंध में, भैया लाल भूमि के संबंध में, रामऔतार निवासी मनेंद्रगढ़ भूमि के संबंध में, रवि कुमार परसगढ़ी भूमि के संबंध में, जय राम निवासी बौरीडांड धान खरीदी में कम टोकन काटने के संबंध में, देव नारायण ताराबहरा भूमि के संबंध में, अपना शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए ।

टीचर ने छात्राओं को गोद में उठाया..गाल पर लगाई चॉक

स्टूडेंट्स बोलीं- शाहिद सर ने किया बैड टच, फिर कहा-बात यहीं खत्म करो

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में सरकारी स्कूल के टीचर ने छात्राओं से छेड़छाड़ की है। छात्राओं का कहना है कि, टीचर ने हमें उठाया और गाल पर चॉक लगाई। शिकायत करने पर धमकाते हुए बात यहीं करने भी कहा।

इसके बाद छात्राओं ने इसकी शिकायत हॉस्टल के वार्डन और हेडमास्टर से की तो हेडमास्टर ने मीटिंग ली, लेकिन अधिकारियों को सूचित नहीं किया। अब मंगलवार को छात्राओं के परिजन स्कूल पहुंचे तब मामला उजागर हुआ।

छात्राओं ने कहा- टीचर ने गोद में उठाया: जानकारी के मुताबिक, कक्षा आठवीं की 6 छात्राओं ने स्कूल के सहायक शिक्षक मो. शाहिद पर बैड टच करने का आरोप लगाया है। छात्राओं का कहना है कि टीचर ने उन्हें गोद में भी उठाया। उनकी गाल और पीठ पर चॉक से लिखा। जब छात्राओं ने ये बात महिला टीचर को बताई तब आरोपी टीचर ने धमकाते हुए बात को आगे नहीं बढ़ाने की बात कही। छात्राओं के अनुसार 5 दिन पहले अर्धवार्षिक परीक्षा में अंग्रेजी के पेपर के दौरान टीचर ने छात्राओं से छेड़छाड़ की।

हेडमास्टर ने ली बैठक, नहीं की शिकायत: जिन छात्राओं से छेड़छाड़ हुई वे प्री मैट्रिक हॉस्टल में रहती हैं। छात्राओं ने इसकी जानकारी हॉस्टल वार्डन और स्कूल के हेडमास्टर से भी की। हेडमास्टर मो. इसराइल अली ने छात्राओं एवं टीचर्स की बैठक भी ली, लेकिन कार्रवाई के लिए अधिकारियों को या पुलिस को सूचना नहीं दी। रविवार को छात्राओं के परिजन हॉस्टल में उनसे मिलने पहुंचे तो उन्हें इसकी जानकारी मिली।

बीईओ ने शुरू की जांच: जब कार्रवाई नहीं हुई तो मंगलवार को परिजन फिर स्कूल पहुंचे और संबंधित शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। मामले की सूचना मिलने पर रामानुजगंज बीईओ सदानंद कुशवाहा ने छात्राओं का बयान दर्ज किया। बीईओ सदानंद ने बताया कि उन्हें सोमवार शाम ही जानकारी मिली है। इसके बाद वे आज सुबह जांच में पहुंचे हैं। मामले में दोषी शिक्षकों पर कार्रवाई होगी। वहीं हेडमास्टर मो. इसराइल अली ने कहा कि 3 छात्राओं ने छेड़छाड़ की जानकारी दी है। मामले में दोषी शिक्षक पर कार्रवाई होनी चाहिए।

थाने में दर्ज होगा बयान: बीईओ सदानंद कुशवाहा के निर्देश पर पीड़ित छात्राओं और टीचर को सनावल थाने ले जाया गया है। पुलिस भी छात्राओं का बयान लेगी। फिलहाल, शिक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। बयानों के बाद एफआईआर दर्ज की जा सकती है।

नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ का आरक्षण की कार्यवाही 19 दिसम्बर को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ नगर पालिका अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण नियम 1994 के तहत् नगर पालिका परिषद् मनेंद्रगढ़ के वार्डों का आरक्षण की कार्यवाही 17 समय दोपहर 03:00 बजे से कार्यालय कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में सम्पन्न करायी जानी थी। जिसे स्थगित करते हुए आगामी 19 को दोपहर 01:00 बजे कार्यालय कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में आरक्षण की कार्यवाही सम्पन्न करायी जायेगी।

विधायक छगन भुजबल बोले- क्या मैं कोई खिलौना हूं

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र में बनी नई सरकार के मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने पर एनसीपी नेता छगन भुजबल पार्टी लीडर्स से नाराज हैं। सोमवार को उन्होंने डिप्टी सीएम अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल से पूछा कि क्या मैं आपके हाथ का खिलौना हूं। नागपुर में एक एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करने के पक्ष में थे, लेकिन अजित पवार ने इस पर कोई फैसला नहीं किया। छगन भुजबल ने कहा कि मैंने नासिक से लोकसभा चुनाव लड़ने का सुझाव स्वीकार किया था। जब मैं राज्यसभा में जाना चाहता था, तो मुझे विधानसभा चुनाव लड़वाया। अब 8 दिन पहले मुझे राज्यसभा सीट की पेशकश की गई, जिसे मैंने अस्वीकार कर दिया। उन्होंने तब मेरी बात नहीं सुनी, अब वे मुझे राज्यसभा सीट दे रहे हैं। अगर मैं इस्तीफा दे दूंगा तो मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोग क्या सोचेंगे? क्या मैं आपके हाथों का खिलौना हूं? जब भी आप मुझसे कहेंगे मैं खड़ा हो जाऊंगा, जब भी आप मुझसे कहेंगे मैं बैठ जाऊंगा और चुनाव लड़ूंगा? भुजबल ने दावा किया कि नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के आरक्षण की मांग करने वाले मनोज जरांगे का विरोध करने के कारण उन्हें कैबिनेट से बाहर रखा गया। भुजबल ने कहा कि कैबिनेट विस्तार के बाद से उन्होंने ॠक्कप्रमुख अजित पवार से बात नहीं की है।

प्रधानमंत्री की उपस्थिति में परियोजना के अनुबंध सहमति पत्र पर जयपुर में हुए हस्ताक्षर

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पार्वती- कालीसिंध -चंबल लिंक परियोजना मध्यप्रदेश और राजस्थान दोनों राज्यों को ꕤसुजलाम्-सुफलाम्ꕤ बनाएगी। आज यहां पर मध्यप्रदेश राजस्थान और केंद्र सरकार के बीच जो अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) हस्ताक्षरित हुआ है, वह सामान्य सहमति पत्र नहीं है, यह आने वाले कई दशकों तक याद रखा जाएगा। इसके लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार तथा जनता सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि परियोजना पर बिना रुके काम आगे बढ़ता रहेगा और समय से पहले परियोजना पूरी होगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी मंगलवार को जयपुर में राजस्थान सरकार के 1 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने एवं पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के त्रिपक्षीय अनुबंध कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री श्री मोदी की उपस्थिति में परियोजना के अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) पर मध्यप्रदेश राजस्थान और केंद्र सरकार की ओर से हस्ताक्षर किए गए। इसके पहले प्रधानमंत्री श्री मोदी ने चंबल नदी के जल से युक्त कलश के जल को एक बड़े कलश में प्रवाहित किया। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिए गए कालीसिंध नदी के जल से युक्त कलश के जल और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा दिए गए

महाकुंभ से लौटने वालों को बिना टिकट सफर पर विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाकुंभ 2025 में 45 दिनों में देशभर से करीब 45 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान है। केंद्र सरकार 13 जनवरी से प्रयागराज में शुरू हो रहे महाकुंभ में शामिल होने वाले रेल यात्रियों की सुविधा के नए विकल्प पर विचार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक रेलवे महाकुंभ से लौटने वाले सामान्य श्रेणी (जनरल कोच) के यात्रियों के लिए टिकट खरीदने की अनिवार्यता खत्म कर सकती है। इसके लिए जरूरी औपचारिकताओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दरअसल, महाकुंभ के 45 दिनों में देशभर से करीब 45 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान है। रेलवे का आकलन है कि कुंभ के दिनों का औसत निकालें तो रोज 5 लाख से ज्यादा यात्री सामान्य श्रेणी के कोचों में सफर करेंगे। इतने ज्यादा यात्रियों को एक दिन में टिकट उपलब्ध कराने के लिए जरूरी संसाधन जुटाना बड़ी चुनौती होगी। इसलिए जनरल टिकट खरीदने की अनिवार्यता को कुंभ के लिए रद्द किया जा रहा है। रेलवे कुंभ के लिए 3 हजार विशेष ट्रेनें चलाएगा, जो 13 हजार से ज्यादा फेरे लगाएंगी। महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 के बीच होगा।

बगावत करने के मूड में छगन, 'जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना'

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष अजित पवार पर नए कैबिनेट में उन्हें शामिल नहीं किए जाने को लेकर इशारों-इशारों में हमला किया है। भुजबल ने दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उन्हें कैबिनेट में शामिल किए जाने के पक्ष में थे। महाराष्ट्र सरकार में कई अहम जिम्मेदारियां संभाल चुके भुजबल ने एक दिन पहले की गई 'जहां नहीं

चैना, वहां नहीं रहना' टिप्पणी को लेकर अटकलों के बीच कहा कि वह बुधवार को ॠक्क कार्यकर्ताओं और येवला निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से बातचीत करने के बाद कुछ कहेंगे। कद्दावर नेता ने यह भी कहा कि वह मंत्री नहीं बनाए जाने से निराश नहीं हैं, लेकिन अपने साथ किए गए व्यवहार से अपमानित महसूस कर रहे हैं। भुजबल ने नासिक में दावा किया कि उन्हें मई में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा गया था, लेकिन उनका नाम कभी तय ही नहीं हुआ। येवला सीट से विधानसभा चुनाव जीतने के कुछ हफ्ते बाद भुजबल ने कहा कि हाल ही में उन्हें राज्यसभा सीट देने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा, 'मैंने नासिक से लोकसभा चुनाव लड़ने का सुझाव मान लिया था।

राज्यसभा में शाह बोले- लोकतंत्र पाताल तक गहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में संविधान पर चर्चा में गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा, देश में लोकतंत्र की जड़ें पाताल तक गहरी हैं। इसने अनेक तानाशाहों के अहंकार-गुमान को चूर-चूर किया है। जो कहते थे भारत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाएंगे, हम आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। यह हम सबके लिए गौरव लेने का पल है। संकल्प लेने का पल है।

शाह ने कहा, संविधान के दोनों सदन में चर्चा हुई है। वो हमारे किशोरों के लिए युवाओं के लिए है। आने वाले समय में सदन में बैठकर देश के भविष्य का फैसला करने वालों के लिए महत्वपूर्ण होगी। यह

भी तय होगा, जब जब जनता ने जिस पार्टी को शासन दिया, उसने संविधान का सम्मान किया या नहीं।

आज मैं जब यहां आया हूं कि आज हम जिस मुकाम पर खड़े हैं, स्वामी विवेकानंद और अरविंद की भविष्यवाणी सत्य होती दिख रही है। हमारा संविधान संविधान सभा की रचना और दुनिया में अनूठे हैं। हमारे यहां दुनिया का सबसे ज्यादा विस्तृत और लिखित संविधान है। इस संविधान सभा में 299 सदस्य 22 जाति धर्म के सदस्य रहे हैं। सभी समाजों के प्रतिनिधित्व के साथ संविधान बनाया गया।

दुनिया में शायद ही ऐसा संविधान होगा, जिसका ड्राफ्ट जनता को कमेंट के लिए दिया गया। और कमेंट्स के आधार पर सुधार किया गया। हम सबको अपने संविधान पर गर्व है। जब हम आजाद हुए तब कई लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि देश बिखर जाएगा, देश में एकता नहीं हो सकती।

प्रियंका के बैग पर फिलिस्तीन के बाद आज बांग्लादेश मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी मंगलवार को संसद में एक बैग लेकर पहुंचीं, जिस पर बांग्लादेशी हिंदुओं और ईसाइयों साथ खड़े हो लिखा था। एक दिन पहले ही वे फिलिस्तीन को समर्थन करने वाला बैग लेकर पहुंची थीं। जिस पर फिलिस्तीन आजाद होगा लिखा था।

इस पर विवाद भी हुआ। प्रियंका ने सवाल उठाने वालों से कहा था- मैं कैसे कपड़े पहनूंगी, इसे कोई और तय नहीं करेगा, बरसों से चल रही रूढ़वादी पितृसत्ता को मैं नहीं मानती, मैं जो चाहूंगी, वही पहनूंगी। फिलिस्तीन का सपोर्ट करने पर पाकिस्तान सरकार में पूर्व मंत्री फवाद

हसन चौधरी ने भी उनकी तारीफ में कहा कि हमारे सांसदों में इतनी हिम्मत नहीं।

पाकिस्तान की इमरान सरकार में मंत्री रहे फवाद हसन चौधरी ने फिलिस्तीन का सपोर्ट करने पर प्रियंका की तारीफ की है।

उन्होंने एक्स पर लिखा- जवाहरलाल नेहरू जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी की पोती से हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं? प्रियंका ने अपना कद और ऊंचा कर लिया है, यह शर्मनाक है कि आज तक किसी पाकिस्तानी सांसद ने ऐसी हिम्मत नहीं दिखाई। लोकसभा में सोमवार को भी प्रियंका गांधी ने प्रश्नकाल में सवाल किया था। उन्होंने कहा- मैं सबसे पहले जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहती हूं, वह यह है कि इस सरकार को बांग्लादेश में हिंदू और ईसाई अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, उनसे बातचीत करनी चाहिए और उनका समर्थन लेना चाहिए। दूसरा मुद्दा यह है कि आज सेना के मुख्यालय से एक तस्वीर उतारी गई है, जिसमें पाकिस्तानी सेना भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर रही है। आज विजय दिवस है। सबसे पहले मैं 1971 के युद्ध में हमारे लिए लड़ने वाले वीर जवानों को नमन करना चाहती हूं।

निर्भया की मां बोलीं- भारत में महिलाएं अभी भी असुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। 16 दिसंबर 2012 की रात दिल्ली में निर्भया कांड हुआ था। आज इस कांड को 12 साल पूरे हो रहे हैं। सोमवार को निर्भया कांड की पीड़ित की मां आशा देवी ने कहा, %देश में बेटियां अभी भी सुरक्षित नहीं हैं।% वे महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा की रोकथाम पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुई थीं। उन्होंने भावुक होकर कहा- मैं बहुत दुख के साथ कहना चाहती हूं कि 12 साल बाद भी परिस्थितियां नहीं बदली हैं। देश की बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। जब मैं अपनी बेटी के लिए न्याय पाने के लिए संघर्ष कर रही थी, तो मुझे पता था कि वो अब नहीं रही और कभी वापस नहीं

आएगी, लेकिन मुझे उसकी बातें याद हैं कि अपराधियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि ऐसी घटना दोबारा न हो।

उन्होंने कहा कि देश की बेटियों की रक्षा से जुड़े कई कार्यक्रमों में मैंने भाग लिया, लेकिन सब कुछ बेकार हो गया। नए कानूनों और कई चर्चाओं के बावजूद आज भी हालात नहीं बदले हैं। आशा देवी ने कहा- मैं कुछ घटनाओं को समझ नहीं पा रही हूं, जहां माता-पिता अपनी बेटी खो देते हैं, लेकिन मामला अदालत तक नहीं पहुंचता। अपराधी की पहचान करने में 6 महीने से लेकर एक साल का समय लग जाता है। फिर हम कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि हमारी बेटियां सुरक्षित होंगी और जिन माता-पिता ने अपनी बेटियों को खो दिया है, उन्हें न्याय मिलेगा? आरजी कर में क्या हुआ आज भी पता नहीं आशा देवी ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा- अभी भी किसी को नहीं पता कि वास्तव में वहां क्या हुआ था।

सेना ने कहा- 1971 युद्ध की तस्वीर हटाई नहीं

नई दिल्ली। आर्मी चीफ के लाउंज में लगी पाकिस्तानी सेना के समर्पण की तस्वीर को लेकर सेना का बयान आया है। सेना ने अपने एक्स हैंडल पर बताया कि 1971 युद्ध की तस्वीर हटाई नहीं गई है। इसे दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में जानबूझकर शिफ्ट किया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देख सकें।

दरअसल, सेना प्रमुख के लाउंज में 1971 के पाकिस्तानी सेना के सरेंडर वाली पेंटिंग को बदलकर एक नई कलाकृति लगाई गई है। इसमें लद्दाख के पैंगोंग त्सो, महाभारत से प्रेरित विषय-वस्तु और आधुनिक युद्ध को दर्शाया गया है, जो संभवत: चीन के साथ उत्तरी सीमा पर भारत के बढ़ते रणनीतिक फोकस को दर्शाता है।

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण वाली तस्वीर को हटाने का मामला संसद तक पहुंच गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया था। दोनों ने सरकार पर भारत के सैन्य इतिहास और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार की विरासत को कमतर आंकने का आरोप लगाया।

यह तस्वीर 16 दिसंबर 1971 की है। इसे ढाका के रेसकोर्स में लिया गया था। तस्वीर में पाकिस्तान के लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाजी और भारत के ईस्टर्न थिएटर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा नजर आ रहे है।

पावर प्रोजेक्ट पर 3 राज्य आमने-सामने-हरियाणा ने भी दावा ठोका, सुप्रीम कोर्ट में लड़ रहे हिमाचल-पंजाब, केंद्र ने यथास्थिति बनाने को कहा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। ब्यास नदी की सहायक उहल नदी पर बने 110 मेगावाट शानन हाइडल पावर प्रोजेक्ट को लेकर हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बीच चल रही कानूनी लड़ाई ने एक नया मोड़ आ गया है। हरियाणा सरकार ने भी इस मामले में पक्ष बनने के लिए सुप्रीम कोर्ट में आवेदन दायर कर दिया है। हिमाचल प्रदेश और पंजाब सरकार दोनों ही इस परियोजना पर पहले ही अपना दावा कर रहे हैं। जिसके बाद हिमाचल प्रदेश ने शानन परियोजना में हिस्सेदारी का दावा करने के हरियाणा सरकार के कदम का विरोध करने का फैसला किया है।

हिमाचल सरकार का कहना है कि यह पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बीच एक मुख्य मुद्दा है। पंजाब सरकार भी हरियाणा सरकार के इस आवेदन का विरोध करेगा।

हिमाचल अगली सुनवाई की तारीख 15 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में अपनी आपत्ति दर्ज कराएगा। प्रारंभ में 48 मेगावाट की परियोजना के रूप में शुरू की गई शानन जल विद्युत परियोजना की क्षमता को बाद में 60 मेगावाट तक बढ़ा दिया गया, तथा बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए पंजाब द्वारा अंतत: 110 मेगावाट तक बढ़ा दिया गया।

1. हरियाणा सरकार ने अपने दावे में दो बड़ी वजहों का तर्क दिया है। हरियाणा सरकार का कहना है ब्यास की सहायक नदी उहल नदी पर स्थित शानन परियोजना भी भाखड़ा बांध को पानी देती है। चूंकि हरियाणा की भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में हिस्सेदारी है। इसलिए उसका तर्क है कि परियोजना पर उसका वैध दावा है।

2. हरियाणा के सुप्रीम कोर्ट में किए गए अपने आवेदन में पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 का भी हवाला दिया गया है। जिसमें अविभाजित पंजाब राज्य के हिस्से के रूप में उसके ऐतिहासिक संबंध पर जोर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की नियुक्त कमेटी से मीटिंग नहीं करेंगे किसान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। किसान आंदोलन के कारण 10 महीने से बंद हरियाणा-पंजाब का शंभू बॉर्डर खोलने पर कल (18 दिसंबर) सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इसके अलावा 22 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सेहत पर भी कोर्ट सुनवाई करेगी। डल्लेवाल एमएसपी कानून की मांग को लेकर अनशन पर हैं।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट की ओर से किसानों की समस्या सुनने के लिए बनाई गई कमेटी के साथ 18 दिसंबर को होने वाली मीटिंग में जाने से किसान नेताओं ने इनकार कर दिया है। उन्होंने एक चिट्?ठी लिखकर कहा है कि अब वे जो भी बात करेंगे,

केंद्र सरकार से ही करेंगे। उन्हें कमेटी के सदस्यों से कोई बात नहीं करनी। आपको मालूम ही होगा कि मैं(डल्लेवाल) 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर भूख हड़ताल पर हूं, आज मेरी भूख हड़ताल का 22वां दिन है और मुझे उम्मीद है कि आपको मेरी मेडिकल स्थिति के बारे में जानकारी मिल रही होगी। मेरी भूख हड़ताल की घोषणा संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने 4 नवंबर को की थी, 43 दिन बीत चुके हैं और भूख हड़ताल शुरू हुए 22 दिन हो चुके हैं। शंभू बॉर्डर से पैदल दिल्ली जाने की कोशिश कर रहे किसानों पर पुलिस अत्याचार किया गया जिसमें 40 से ज्यादा किसान घायल हुए। किसानों और सरकारों के बीच विश्वास बहाली के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आपकी कमेटी बनाई गई थी। लेकिन आपने अभी तक इसके लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए और न ही आपने हमारी जायज मांगों को पूरा करवाने के लिए केंद्र सरकार से बातचीत करने का कोई गंभीर प्रयास किया।

इस साल इन खिलाड़ियों को मिला टीम इंडिया के लिए डेब्यू का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2024 अपनी समाप्ती की ओर बढ़ रहा है, अब बस कुछ ही दिन शेष हैं ये साल खत्म होने में। टीम इंडिया के लिए सबसे छोटे क्रिकेट फॉर्मेट में ये साल बेहद ही अच्छा रहा। टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की थी। टेस्ट में भारत का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद घरेलू सरजमीं पर भी प्रदर्शन में गिरावट आई।

वहीं ये साल कई युवा खिलाड़ियों के लिए भी बेहद खास रहा। कई खिलाड़ियों का सपना पूरा हुआ, जी हां देश के लिए खेलने का सपना। टीम इंडिया के लिए डेब्यू करने वाले कुल पांच खिलाड़ीं इस प्रकार हैं।

सरफराज खान

इंग्लैंड के भारत दौरे के समय सरफराज खान ने टेस्ट डेब्यू किया था। राजकोट में उन्होंने अपना डेब्यू किया था और आते ही धमाका मचाया था। सरफराज खान ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अर्धशतक जड़ा। अभी तक वो भारत के लिए 6 टेस्ट खेल चुके हैं।

ध्रुव जुरेल

विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को भी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट कैप मिली थी। ध्रुव

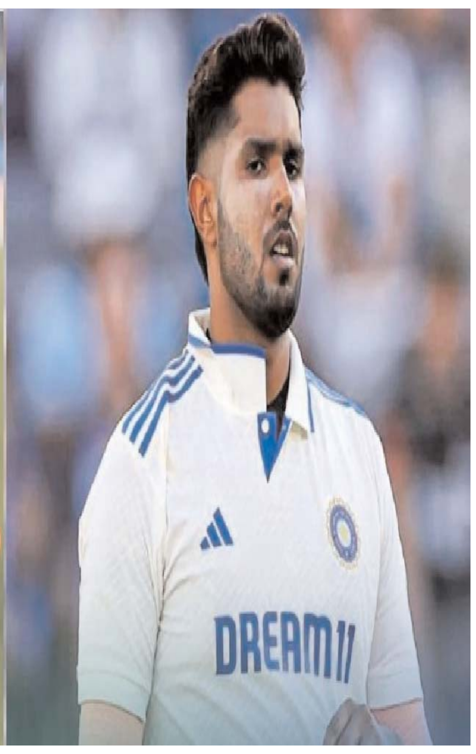

जुरेल ने राजकोट में डेब्यू किया था और 46 रनों की पारी भी खेली। इसके बाद उन्होंने टी20 में भी भारत के लिए डेब्यू किया।

रियान पराग

आईपीएल से चर्चा में आए रियान पराग को इस साल देश के लिए खेलने का मौका मिल ही गया। भारत के लिए पराग ने सफेद गेंद क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू किया था। टी20 क्रिकेट में उनका डेब्यू जिम्बाब्वे के खिलाफ देखने को मिला इस दौरान उन्होंने अपनी गेंदबाजी से भी प्रभावित किया।

मयंक यादव

बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में मयंक यादव ने डेब्यू किया था और अपनी गति से बल्लेबाजों को परेशान करने में कमी नहीं छोड़ी। उनके नाम 3 टी20 मैचों में कुल 4 विकेट झटके।

हर्षित राणा

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हर्षित राणा ने डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक टेस्ट क्रिकेट में दो मुकाबले खेले हैं और 4 विकेट अपने नाम किए हैं। हर्षित राणा ने पहला विदेश दौरान होने के बाद भी बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन किया।

आकाशदीप- जसप्रीत बुमराह ने हारते मैच में बैटिंग में किया कमाल, फॉलोऑन भी बचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हर मायने में टीम इंडिया के हीरो साबित हुए हैं। बता दें कि, टीम इंडिया ब्रिस्बेन गाबा के मैदान पर शर्मसार होने से बाल-बाल बची। वहीं पहले केएल राहुल और फिर रविंद्र जडेजा ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का डटकर सामने करते हुए अर्धशतक लगाकर भारत की लाज बचाने की कोशिश की।

इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने 27 गेंदों में एक छक्का लगाकर 10 रन बनाए और नाबाद रहे। वहीं आकाशदीप ने भी 31 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का के दम पर नाबाद 27 रन की पारी खेली। जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप की जोड़ी में आखिर में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए भारत को किसी तरह फॉलोऑन झेलने के शर्मसार होने से बचा लिया। जब आकाशदीप ने कमिंस को चौका मारते हुए कट ऑफ स्कोर को पार किया तो टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में सेलिब्रेशन देखते बन रहा था। हेड कोच गौतम गंभीर, विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा खुशी से झूम उठे। जबकि इसके बाद ही आकाश ने कमिंस को एक छक्का भी मारा। उनके बीच 39 रनों की साझेदारी हो चुकी है। भारत ने चौथे दिन 74.5 ओवरों में 9 विकेट खोकर 252 रन बनाए, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 445 रनों का पहाड़ सरीखा स्कोर खड़ा किया था। बता दें कि, आखिरी बार 2011 में भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट में फॉलोऑन नहीं बचा पाई थी।

ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका, जोश हेजलवुड हुए मैच के साथ-साथ सीरीज से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिसबेन के गाबा में भारत के खिलाफ जारी तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल से पहले ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा है। उनकी टीम के प्रमुख गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल हो गए। हालांकि, वे दिन के खेल के पहले घंटे में मैदान पर नजर आए और एक ओवर गेंदबाजी की, लेकिन फिर उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया और जोश हेजलवुड को स्कैन्स के लिए हॉस्पिटल भी ले जाना पड़ा। इसके बाद जो रिपोर्ट सामने आईं, उनसे साफ हो गया है कि जोश हेजलवुड को काफ स्ट्रेन है। वे इस मैच के साथ-साथ इस सीरीज से बाहर हो गए हैं।

अब जोश हेजलवुड ब्रिसबेन टेस्ट मैच में आगे गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे और सीरीज के बाकी मैचों में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। ऐसे में उनकी जगह इस सीरीज में स्कॉट बोलैंड खेलेंगे। उनको गंभीर चोट लगी है। इस चोट से उबरने के लिए उनको वक्त लगेगा। ऐसे में वे सीरीज के बाकी दो मैचों के लिए भी उपलब्ध नहीं होंगे। स्कैन्स के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड को लेकर जो अपडेट दिया है, उसमें बताया है कि, जोश हेजलवुड की पिंडली में खिंचाव आ गया है और वह टेस्ट सीरीज के बाकी बचे मैचों से बाहर हो सकते हैं। जोश हेजलवुड इस मैच में 6 ओवर गेदंबाजी कर चुके हैं और एक विकेट अपने नाम कर चुके हैं। उन्होंने विराट कोहली को विकेट के पीछ एलेक्स कैरी के हाथों कैच आउट कराया था।

रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से लेंगे संन्यास! ग्लव्स से दिया संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसी साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद एक बार फिर उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की अफवाहें जोर पकड़ रही हैं। कहा जा रहा है कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज उनके करियर की आखिरी टेस्ट सीरीज हो सकती है।

कप्तान रोहित शर्मा पिछले कुछ समय से टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और इस फॉर्मेट में उनकी कप्तानी पर भी काफी सवाल खड़े हो रहे हैं। दरअसल, टेस्ट से संन्यास की खबरें इसलिए भी आ रही हैं क्योंकि ब्रिसबेन टेस्ट में जब पैट कमिंस की गेंद पर आउट होने के बाद रोहित शर्मा पवेलियन लौट रहे थे, तो उन्होंने अपने ग्लव्स उतारकर डगआउट के पीछे छोड़ दिए। इसके बाद से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गए हैं कि क्या रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से अलविदा कहने का मन बना लिया है?

रोहित शर्मा के अगर मौजूदा टेस्ट फॉर्म पर नजर डालें, तो उन्होंने पिछली 13 पारियों में 11.69 के औसत से कुल 152 रन ही बनाए हैं, जिसमें महज एक पचासा शामिल है।

भारत के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल लगा दांव पर, गाबा टेस्ट के आखिरी दिन जीतेगी ऑस्ट्रेलिया!

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी रोमांचक मोड़ पर है। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा टेस्ट के आखिरी दिन बुधवार का दिलचस्प होगा। भारत का फॉलोऑन बचने के लिए बाद ड्रॉ की संभावना ज्यादा है, लेकिन देखने वाली बात ये होगी कि क्या ऑस्ट्रेलिया की टीम जीत के लिए जाने का जोखिम उठाएगी? वहीं बड़ी मुसीबत बनी बारिश के बीच कंगारू टीम की क्या रणनीति होगी?

गाबा टेस्ट के आखिरी दिन ऑस्ट्रेलिया का पहला लक्ष्य भारतीय टीम को जल्द से जल्द आउट करना होगा। जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप जितनी देर क्रीज पर रहेंगे उतनी ही उनकी बल्लेबाजी ऑस्ट्रेलिया के लिए मुसीबत बनेंगी। भारतीय टीम ने 74.5 ओवर में 9 विकेट पर 252 रन बना लिए। फॉलोऑन बचने के बाद भारतीय टीम राहत महसूस कर रही होगी। वह ड्रॉ से संतुष्ट होगी।

साथ ही कंगारू टीम कम से कम 2 सत्र भारतीय टीम को ऑलआउट करने के लिए बल्लेबाजी करना चाहेगी। जोश हेजलवुड मैच से बाहर हो गए हैं तो पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क पर भार ज्यादा होगा। ऐसे में कंगारू बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने होंगे। 2 सेशन में 300 का टारगेट दोधारी तलवार साबित हो सकती है। भारतीय टीम हार भी सकती है और जीत भी। साथ ही एक गेंदबाज कम होना ऑस्ट्रेलिया के लिए परेशानी बन सकता है।

भारतीय टीम फिलहाल वेट एंड वॉच वाली परिस्थिति में है। वह अभी कोई रणनीति नहीं बना रही होगी। कप्तान रोहित शर्मा चाहेंगे कि, भारतीय गेंदबाज सटीक लाइन लेंथ पर गेंदबाजी करे। ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में आसानी से रन न बना सके। बल्लेबाजी आने पर भारतीय टीम अच्छी शुरुआत चाहेगी। मजबूत स्थिति में पहुंचने के बाद लक्ष्य हासिल करने की कोशिश करेगी। खराब शुरुआत होने पर टीम ड्रॉ कराने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम के डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिए सबसे आदर्श स्थिति ये है कि वह हार से बचे। एक ड्रॉ और दो मैच जीतकर 60.52 के पीसीटी के साथ वह फाइनल में पहुंच सकता है।

ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए जीत जरूरी है।

सिमरन शेख की ये ख्वाहिश विराट कोहली करेंगे पूरी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में महिला प्रीमियर लीग 2025 ऑक्शन खत्म हुआ। इस नीलामी में सिमरन शेख को सबसे महंगी खिलाड़ी को तौर पर बिकीं। सिमरन को गुजरात जायंट्स ने 1.9 करोड़ रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपये था। मुंबई में जन्मी सिमरन ने धारावी की झुग्गियों में रहते हुए बेहद मुश्किल वक्त देखआ है। उन्हें लोगों के ताने बर्दाश्त करने पड़े हैं। वहीं 22 वर्षीय इस खिलाड़ी का एक ख्वाब है, जो स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पूरा कर सकते हैं।

दरअसल, सिमरन अपने फेवरेट क्रिकेटर कोहली से मिलना चाहती हैं। एएनआई से बात करते हुए सिमरन ने कहा कि, मुझे विराट कोहली सर बहुत पसंद हैं। मुझे उनसे मिलना है। कोहली से मिलना मेरा सपना है। उन्होंने कहा कि, मेरा सफर अभी शुरू हुआ है। मैं अपना बेस्ट देना चाहती हूं। कड़ी मेहनत करना चाहती हूं। मुझे एक और जर्सी चाहिए, जो इंडिया की जर्सी है। मैं उस सपने का पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। क्रिकेट के प्रति सिमरन का जुनून बचपन में गली क्रिकेट से शुरू हुआ था।

सिमरन जब धारावी में खेलती थीं तो आसपान के लोग उनके माता-पिता को बेटी से घर के काम करने की सलाह देते थे। उन्होंने बताया कि जब मैं बचपन में गली क्रिकेट खेलती थी तो लोग बोलते थे कि लड़की होकर लड़कों के साथ खेलती है। जा घर पर कोई काम कर। मेरे मां-बाप को ताने देते थे। उसने लोग बोलते थे कि अपनी बेटी को घर का काम सिखाओं, बर्तन धुलवाओ। लेकिन मैंने ठान रखा था कि कुछ करना है और आगे खेलना है। मेरे परिवार ने मुझे बहुत सपोर्ट किया उनकी बहुत शुक्रगुजार हूं।

कीर्ति आजाद को हराकर रोहन जेटली फिर बने अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। कीर्ती आजाद को हराकर रोहन जेटली एक बार फिर से दिल्ली जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बन गए हैं। उन्होंने डीडीसीए के कई पदों के लिए चुनावों में भारत के पूर्व खिलाड़ी कीर्ती आजाद को हराया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत अरुण जेटली के बेटे 35 वर्षीय रोहन जेटली ने टॉप पद की दौड़ में आजाद के 777 वोटों की तुलना में 1577 वोट हासिल किए। कुल 2413 वोट डाले गए और जीतने के लिए 1207 वोटों की आवश्यकता थी। 2020 में रोहन निर्विरोध डीडीसीए अध्यक्ष चुने गए और एक साल बाद उन्होंने एडवोकेट विकास सिंह को हराया।

स्मृति मंधाना ओडीआई और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों रैंकिंग में शीर्ष तीन में पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की बदौलत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के फायदे से दूसरे जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गईं।

बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम मैच में 105 रन की पारी खेली जबकि वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को मुंबई में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 54 रन बनाए। मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान के नुकसान से 13वें जबकि हरलीन देओल नौ स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति शर्मा दो स्थान के नुकसान से पांचवें पायदान पर हैं। भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी 48 स्थान की लंबी छलांग के साथ 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि रेणुका ठाकुर 28वें से संयुक्त 26वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट दो स्थान के फायदे से 11 स्थान पर हैं। उन्होंने नाबाद 65 रन की पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला 2-1 से जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। पर्थ में 50 रन बनाने वाली एशलेग गार्डनर 16वें से 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं जबकि ताहलिया मैकग्रा आठ स्थान के फायदे से 24वें स्थान पर हैं।

अनाबेल सदरलैंड 15 स्थान के फायदे से 29वें पायदान पर हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ 110 रन की मैच विजयी पारी खेली थी। गार्डनर गेंदबाजी रैंकिंग में भी दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं जो उनके करियर की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग भी है। वह ऑलराउंडर की सूची में भी चौथे से दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप दो स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की चार्ली डीन (दो स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर), नैट स्किवर ब्रंट (एक स्थान के फायदे से 16वें स्थान पर) और लॉरेन बेल (चार स्थान के फायदे से 21वें स्थान पर) की तिकड़ी को भी फायदा हुआ है।

जसप्रीत बुमराह का सिक्स देखकर उछल पड़े गंभीर और कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में पूरे समय दबाव में रहने वाली भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को एक चौका लगता ही जश्न में डूब गए। एक चौका, जिसे देखकर विराट कोहली और गौतम गंभीर उछल पड़े। विराट उछले और तुरंत पटलकर पास बैठे कोच गौतम गंभीर से हाईफाई किया। गंभीर पिछले 10-15 दिन में शायद पहली बार इतना मुस्कुराए। गंभीर के पीछे बैठे कप्तान रोहित शर्मा अपनी चौड़ी मुस्कान को चाहकर भी ना छिपा सके। क्या आप जानते हैं कि आखिर ये मौका किसने लगाया और मैच में इसकी कीमत क्या थी।

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही दिन से दबाव में है। पहले दिन भारत को एक भी विकेट नहीं मिला। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ ने शतक बनाए। तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 445 का स्कोर बनाया और भारत के 4 विकेट 51 रन पर झटक लिए। तीसरे दिन की शुरुआत से भारत पर हार का खतरा मंडरा रहा है। चौथे दिन तो सूरत ये थी कि फॉलोऑन की शर्मिंदगी से कैसे बचा जाए। फॉलोऑन बचाने के लिए 246 रन चाहिए थे और भारत 213 रन पर 9 विकेट गंवा चुका था।

फॉलोऑन खेलने का मतलब होता कि भारत पहली पारी के तुरंत बाद दूसरी पारी में बैटिंग शुरू कर देता। अगर ऐसा होता तो भारत के हारने की आशंका बहुत ज्यादा हो जाती। जाहिर है टीम इंडिया से लेकर फैंस तक चाह रहे थे कि फॉलोऑन बच जाए। लेकिन बचे कैसे, टीम के टॉप-9 बैटर आउट होकर पवेलियन में बैठे थे। अब सारी निगाहें जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप की आखिरी जोड़ी पर टिकी थीं।

भारत ने फॉलोऑन बचा लिया और इसमें यूं तो बड़ी भूमिका केएल राहुल और रविंद्र जडेजा की रही, लेकिन ये दोनों भी टीम को मझधार में छोड़कर लौट चुके थे। ये भी नहीं कह सकते कि नाव किनारे आई गई थी। 39 रन बाकी रहने का मतलब ये था कि नाव अभी बीच दरिया में ही थी, जिसे पार लगाने का जिम्मा 10वें और 11वें नंबर के बैटर आ पड़ा था। आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह ने ये जिम्मेदारी बखूबी संभाली। 75वें ओवर की शुरुआत हुई तो टीम का स्कोर 242 रन था, अब सिर्फ एक चौका चाहिए था।

पैट कमिंस के हाथों में गेंद थी, कमिंस ने आकाश दीप को सीने की ऊंचाई पर गेंद की, जिस पर भारतीय बैटर ने शानदार कट लगाया। गेंद और बैट के संपर्क के साथ ही ये तय हो गया था कि ये बाउंड्री के पार जाए बिना नहीं मानेगा। गली में खड़े फील्डर ने छलांग लगाकर गेंद को रोकने की औपचारिक कोशिश की।

फील्डर नाकाम रहा और गेंद के बाउंड्री पार जाने से पहले ही विराट कोहली ड्रेसिंग रूप में छलांग लगा चुके थे।

कलेक्टर ने दो धान खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

किसानों को उपार्जित धान का समय पर कराएं भुगतान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में 92 खरीदी केन्द्रों में निर्धारित समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से धान का उपार्जन किया जा रहा है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने रायपुर कर्चुलियान तहसील में खरीदी केन्द्र में माँ भगवती वेयरहाउस अमिलिया तथा माँ गायत्री वेयरहाउस महसुआ का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि स्लॉट बुक करने वाले किसानों से समय पर खरीदी करें। खरीदे गए धान को वेयरहाउस में व्यवस्थित रूप से स्टेग बनाकर रखें। किसानों को उपार्जित धान का समय पर भुगतान कराएं। जिला महाप्रबंधक सहकारी बैंक अधीनस्थ सभी बैंक शाखाओं में पर्याप्त मात्रा में राशि उपलब्ध करा दें जिससे किसानों को भुगतान प्राप्त करने में किसी तरह की कठिनाई न हो। कलेक्टर ने किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि उपार्जन के लिए धान साफ करके तथा सुखाकर लाएं। खरीदी केन्द्र में निर्धारित मात्रा में ही धान दें। कलेक्टर ने समिति प्रबंधक को खरीदी केन्द्र की व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश दिए। दोनों खरीदी केन्द्रों में उपस्थित किसानों से धान का उपार्जन करके वेयरहाउस में भण्डारण किया जा रहा था। निरीक्षण के समय अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी, जिला महाप्रबंधक सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, सहायक आपूर्ति अधिकारी सुभाष द्विवेदी तथा किसान उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने दो लापरवाह अधिकारियों को दिया नोटिस

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने समर्थन मूल्य में धान उपार्जन में लापरवाही बरतने पर दो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया है। इन्हें दो वेतनवृद्धियाँ असंचयी प्रभाव से रोकने तथा निलंबन की कार्यवाही प्रस्तावित करने का नोटिस दिया गया है। यह कार्यवाही मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधानों के तहत की गई है। कलेक्टर ने कृषि विस्तार अधिकारी तथा नोडल अधिकारी माँ भगवती वेयरहाउस खरीदी केन्द्र श्रीकृष्णा सिंह को नोटिस दिया है। सिंह कलेक्टर द्वारा खरीदी केन्द्र के निरीक्षण के समय बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। केन्द्र प्रभारी ने बताया कि सिंह दो दिसम्बर से 17 दिसम्बर तक लगातार अनुपस्थित हैं। कलेक्टर ने समिति प्रबंधक तथा केन्द्र प्रभारी सेवा सहकारी समिति लक्ष्मणपुर को भी नोटिस दिया है। कलेक्टर द्वारा खरीदी केन्द्र का निरीक्षण के दौरान उपार्जित धान की बोरियों की तौल कराई गई। सभी पाँच बोरियों में अलग-अलग मात्रा में 37 किलों से लेकर 40 किलो 700 ग्राम तक धान की मात्रा पाई गई। बोरियों में लगे टैग में किसान का पंजीयन क्रमांक अथवा किसान कोड दर्ज नहीं पाया गया। गोदाम के अंदर 6 दिसम्बर एवं 7 दिसम्बर को उपार्जित धान की बोरियों में सिलाई नहीं की गई थी। खरीदी केन्द्र में 8505 क्विंटल धान की खरीदी अब तक की गई गई है परंतु केवल 1074 क्विंटल धान का ही हैण्डलिंग चालान जारी किया गया है। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए नोटिस दिया गया है।

विंध्य क्षेत्र में बीजेपी के पितृ पुरुष केशव पांडे का निधन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनसंघ से लेकर भाजपा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले विंध्य क्षेत्र में बीजेपी के पितृ पुरुष कहे जाने वाले केशव पांडे का मंगलवार सुबह करीब 9 बजे लंबी बीमारी के बाद संजय गांधी अस्पताल में निधन हो गया। केशव पांडे के निधन से भाजपा सहित पूरे विंध्य क्षेत्र में शोक है। उनके निधन की खबर मिलते ही भाजपा के जन प्रतिनिधि और पदाधिकारी सहित कार्यकर्ताओं ने अस्पताल और फिर निज निवास में पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किया। दोपहर करीब ढाई बजे पार्टी कार्यालय अटल कुंज में अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर लाया गया। बतादें कि केशव पांडे भाजपा मध्य प्रदेश के प्रदेश मंत्री राजेश पांडे के पिता हैं। केशव पांडे का बुधवार को बनारस में अंतिम संस्कार किया जाएगा। बतादें केशव पांडे का जाना राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में एक बड़ी क्षति माना जा रहा है। मीसाबंदी स्वर्गीय केशव पांडे को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गॉड ऑफ ऑनर से अंतिम विदाई दी गई।

गुढ़ चौराहे में ऑटो अनियंत्रित हो कर पलटा वृद्ध की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर में अनियंत्रित ऑटो के पलटने से ऑटो सवार 60 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब वृद्ध रिश्तेदारी में आयोजित तेरहवीं के कार्यक्रम से लौट रहा था। तभी शहर के गुढ चौराहे के समीप ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। बताया जा रहा है कि गुढ़ के ग्राम पाती निवासी रामानुज पटेल आज रीवा शहर के समीप सिपरी गांव में अपने रिश्तेदार के घर कार्यक्रम में शामिल होने गए थे जहां से वो गांव के ही ऑटो में सवार होकर लौट रहे थे तभी शहर के गुढ चौराहे के समीप तेज़ रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में 1205 आवेदन पत्र हुए मंजूर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 11 दिसम्बर से 26 जनवरी तक मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में 15 दिसम्बर से प्रत्येक विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकाय के वार्डों में शिविर लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में आमजनता के आवेदनों पर मौके पर कार्यवाही करने के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जिले में 15 दिसम्बर से 17 दिसम्बर तक आयोजित शिविरों में कुल 1949 आवेदन पत्र आमजनता से प्राप्त हुए। इनमें से 1205 आवेदन पत्र स्वीकार किए गए हैं। शेष 682 आवेदन पत्रों में संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। अलग-अलग कारणों से 62 आवेदन पत्र अमान्य किए गए हैं।

इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि अब तक ग्रामीण क्षेत्र में कुल 1345 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 705 मंजूर किए गए हैं। विकासखण्ड त्योंथर में 552, रायपुर कर्चुलियान में 93, रीवा में 140, सिरमौर में 204, गंगेव में 55 तथा जवा में 301 आवेदन पत्र आमजनता से प्राप्त हुए हैं। इनमें से विकासखण्ड त्योंथर में 472, रायपुर कर्चुलियान में 7, रीवा में 29, सिरमौर में 21 तथा जवा में 176 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं।

शहरी क्षेत्र में कुल 604 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से 500 मंजूर किए गए हैं। नगर निगम रीवा में 308, नगर पंचायत सिरमौर में एक, गुढ़ में 54, मनगवां में 9, गोविंदगढ़ में 8, सेमरिया में 56, चाकघाट में 40, त्योंथर में 31, डभौरा में 65 तथा नगर पंचायत बैकुण्ठपुर में 32 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से नगर निगम रीवा में 285, नगर पंचायत सिरमौर में एक, गुढ़ में 53, मनगवां में 9, गोविंदगढ़ में 2, सेमरिया में 52, त्योंथर में 18, डभौरा में 48 तथा नगर पंचायत बैकुण्ठपुर में 32 आवेदन पत्र मंजूर किए गए हैं। शेष लंबित आवेदन पत्रों में संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के शिविर का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन के निर्देशों के अनुसार जिले के सभी विकासखण्डों में ग्राम पंचायतवार शिविर लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत लगाए जा रहे इन शिविरों में आमजनता को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इस क्रम में रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बरा में आयोजित शिविर का कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जायजा लिया। कलेक्टर ने आमजनता से संवाद करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ देने तथा जनसमस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर लगाए जा रहे हैं। आमजनता इन शिविरों से लाभ उठाए। शिविरों के माध्यम से प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

शिविर में आमजनता से संवाद करते हुए कलेक्टर ने कहा कि उचित मूल्य दुकान से खाद्य सुरक्षा योजना के तहत हर माह खाद्यान्न का वितरण किया जाता है। खाद्य विभाग के अधिकारी समय पर उचित मूल्य दुकान में आवंटित खाद्यान्न भण्डारित कराकर उसका वितरण कराएं। ग्राम पंचायत में समूह नलजल योजना के तहत हर घर में नल से पानी पहुंचाने के लिए पेयजल की पाइपलाइन बिछाई जाएगी। पंचायत के हर मजरे-टोले में पाइपलाइन बिछाकर प्रत्येक घर में नल कनेक्शन दें। पानी की आपूर्ति होने पर जिन घरों में कनेक्शन हों वे हर महीने पंचायत द्वारा निर्धारित राशि अवश्य जमा करें। कलेक्टर ने कहा कि किसान अपने खेतों में खाद का संतुलित उपयोग करें। खेत की मिट्टी की जाँच कराकर उसमें जिस तत्व की कमी हो उसके अनुसार खाद डालें। डीएपी खाद के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट और एनपीके खाद अधिक लाभदायी है। इसके उपयोग से मिट्टी की उर्वरा क्षमता बढ़ने के साथ राशि की भी बचत होती है। कलेक्टर ने गांव की साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, आँगनवाड़ी तथा स्कूलों के संचालन एवं ग्राम स्तरीय विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रतीक्षा सूची को ग्राम पंचायत की दीवार पर अंकित करा दें।

आईटीआई मऊगंज में रोजगार मेला 20 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मऊगंज में 20 दिसंबर को प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया गया है। रोजगार मेला मध्यप्रदेश युवा संगम योजना के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 7 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 48 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। वेतन एवं भत्ते 8000 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, समग्र आईडी की छायाप्रति, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में यशस्वी ग्रुप भोपाल, ग्रेट गेलियन वेन्चर्स लि. (आईसेक्ट) पीथमपुर, ग्रोफास्ट एग्रिटेक प्रा. लि. जबलपुर, प्रगतिशील बायोटेक रीवा, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा, बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रा. लि. (आईसेक्ट) इंदौर, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा तथा डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्रा. लि. पूणे में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

जर्जर बता कर खाली कराई निजी भूमि

खन्ना चौराहे में 35 दुकानों पर चला नगर निगम का बुल्डोजर

दुकानदारों का आरोप, नगर निगम और भूमि स्वामी की मिलीभगत से साज़िश के तहत उनकी दुकानों को गिराया गया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के खन्ना चौराहे में मंगलवार सुबह नगर निगम द्वारा एक निजी भूमि पर बनी दो दर्जन से अधिक दुकानों पर बुलडोज़र चला दिया गया। नगर निगम द्वारा इन दुकानों को जर्जर घोषित कर गिराने की कारवाई की गई। वहीं दुकानदार इस कारवाई को साज़िश बता रहे हैं। कार्रवाई के दौरान प्रशासनिक और पुलिस अमला भी मौजूद रहा। नगर निगम अधिकारी की माने तो उक्त दुकानें निजी भूमि पर बनी हुई थीं जो काफी जर्जर हो चुकी थी और कभी भी धराशाई हो सकती थी। इस संबंध में भूमि स्वामी को पत्र लिखकर दुकानों को गिराने के लिए नोटिस जारी की गई थी, लेकिन भूमि स्वामी ने स्वयं से गिराने में असमर्थता ज़ाहिर की जिसके बाद नगर निगम ने उक्त भूमि पर बनी करीब 35 दुकानों को गिराने की कार्रवाई की। वहीं दुकानदारों का कहना है कि भूमिस्वामी से उनका ज़मीनी विवाद हाई कोर्ट में लंबित है और वो दुकानों का बकायदा टैक्स नगर निगम में जमा भी कर रहे हैं बावजूद इसके नगर निगम और भूमि स्वामी की मिली भगत से एक साज़िश के तहत उनकी दुकानों को गिराया गया है।

लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने में निभाई है विशिष्ट भूमिका

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश विधानसभा ने लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने में अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई है। 17 दिसंबर 1956 को मध्यप्रदेश विधानसभा के पहले सत्र से लेकर आज तक प्रदेश ने विकास और सुशासन की एक लंबी यात्रा तय की है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश विधानसभा के पहले सत्र की 68 वीं वर्षगांठ पर सदन में संबोधित करते हुए प्रदेश की लोकतांत्रिक परंपराओं, विकास यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि 1950 में संविधान लागू होने के बाद मध्यप्रदेश कई हिस्सों में विभाजित था, जिसमें विन्ध्य प्रदेश, मध्य भारत, भोपाल और सेन्ट्रल प्रोविन्सेस शामिल थे। राज्यों के पुनर्गठन के बाद 1 नवंबर 1956 को मध्यप्रदेश का गठन हुआ। उस समय से अब तक प्रदेश ने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सशक्त बनाते हुए विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि वर्ष 2003 से 2024 तक मध्यप्रदेश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। सिंचाई क्षेत्र में क्रांतिकारी विकास हुआ है। 2003 के पहले प्रदेश में मात्र 7 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित होती थी, जो अब बढ़कर 50 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगामी योजनाओं से यह आंकड़ा 1 करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचने की उम्मीद है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने इस संदर्भ में काली सिंध, पार्वती और चंबल नदियों को जोड़ने की योजना का जिक्र किया, जिसका भूमिपूजन 17 दिसम्बर की ऐतिहासिक तिथि को प्रधानमंत्री द्वारा जयपुर में किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि 25 दिसंबर को छतरपुर में केन और बेतवा नदी को जोड़ने की योजना का भूमिपूजन किया जाएगा, जो 1.75 लाख करोड़ रुपये की लागत से 15 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचित करेगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी आर्थिक प्रगति के साथ वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में सफल रहा है। राज्य का कर्ज सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3 प्रतिशत से कम है, जो इसे एक प्रगतिशील राज्य के रूप में स्थापित करता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जिस उद्देश्य और संकल्प के साथ मध्यप्रदेश की नींव रखी थी, हम सभी गर्व के साथ उसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

77 आवेदन पत्रों में की जन सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आमजनता के आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी तथा संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने आमजनता से प्राप्त 77 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। अपर कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ जनसुनवाई के आवेदन पत्रों का निराकरण करें। निराकरण की जानकारी पोर्टल में अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। जनसुनवाई में जमीन पर अवैध कब्जे, सीमांकन, बंटवारा, हैण्डपंप में सुधार, मजदूरी भुगतान, अनुकंपा नियुक्ति, छात्रवृत्ति वितरण, बिजली बिलों में सुधार सहित विभिन्न आवेदन पत्रों में सुनवाई की गई। जन सुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं के पत्रों का तत्परता से निराकरण करने कमिश्नर ने दिये निर्देश

पेंशन प्रकरण लंबित रहे तो रुकेगी अधिकारियों की वेतनवृद्धि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा कि सभी अधिकारी कार्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्वत्वों का समय पर भुगतान करें। शासन के निर्देशों के अनुरूप सेवानिृत्ति के तीन माह पूर्व पेंशन प्रकरण ऑनलाइन दर्ज करा दें। उसमें किसी भी तरह की आपत्ति होने पर उसका निराकरण कर दें जिससे समय पर पीपीओ जारी हो सके। अधिकारी लंबित पेंशन प्रकरण तत्काल पेंशन कार्यालय में दर्ज करा दें। पेंशन प्रकरण लंबित रहने पर अधिकारियों की वेतनवृद्धि रोकी जाएगी।

कमिश्नर ने कहा कि संभागीय पेंशन अधिकारी आगामी बैठक में फरवरी माह तक सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों की सूची प्रस्तुत करें। इनके पेंशन प्रकरणों के निराकरण की हर सप्ताह समीक्षा की जाएगी। अधिकारी समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। इसमें सौ दिन तथा पचास दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही करें। नागरिक आपूर्ति निगम तथा खाद्य विभाग के अधिकारी उचित मूल्य दुकानों के लिए हर माह की 10 तारीख तक आवंटित खाद्यान्न का भण्डारण सुनिश्चित करें। गरीबों को समय पर अनाज न मिलने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। खाद्यान्न के उठाव और परिवहन के संबंध में भी हर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में विभागीय योजनाओं के पात्र सभी हितग्राहियों को अनिवार्य रूप से लाभान्वित करें। हितग्राहीमूलक योजनाओं का 31 दिसम्बर तक लक्ष्यपूर्ति सुनिश्चित करें। इन शिविरों के माध्यम से विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें तथा आमजनता से प्राप्त आवेदनों का समुचित निराकरण करें। उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग छात्रावासों का नियमित रूप से निरीक्षण कराकर उनमें भोजन, आवास, पेयजल, साफ-सफाई तथा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। सभी कलेक्टर साप्ताहिक बैठक में छात्रावासों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करें। कमिश्नर ने कहा कि न्यायालय में लंबित प्रकरणों में समय पर जवाबदावा प्रस्तुत करें। अवमानना के प्रकरणों में तत्परता से कार्यवाही कर प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत करें। राजस्व, कृषि तथा खाद्य विभाग के अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की निगरानी करें। उपार्जित धान के समय पर उठाव, परिवहन, भण्डारण एवं किसानों को भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करें। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य जनवरी माह में सभी जिलों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए कार्यक्रम जारी करें। संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन सभी नगरीय निकायों में खुले में रहने वाले निराश्रितों को ठण्ड से बचाव के लिए गरम कपड़े, कंबल, अलाव आदि की व्यवस्था कराएं। इसके लिए आमजनता और समाजसेवी संस्थाओं का भी सहयोग प्राप्त करें।

बैठक में कमिश्नर ने जल जीवन मिशन के कार्यों तथा छात्रवृत्ति वितरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संभागीय आयुर्वेद अधिकारी डॉ नीरजा मिश्रा ने प्रकृति परीक्षण अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि प्रकृति परीक्षण एप डाउनलोड करके उसमें प्रत्येक व्यक्ति अपने स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी दर्ज करके क्यूआरकोड जनरेट कर लें। इसे आयुर्वेद विभाग के किसी भी चिकित्सक को भेजकर अपना प्रकृति परीक्षण कराएं। इसस आपके शरीर में वात, पित्त और कफ की स्थिति के अनुसार प्रकृति का निर्धारण होगा। खानपान और दवाओं के उपयोग से इसमें संतुलन बना रहेगा। बैठक में एसडीओ वन व्हीबी मिश्रा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ केएल नामदेव, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी, संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा, चीफ इंजीनियर विद्यत मण्डल आईके त्रिपाठी, संयुक्त संचालक शिक्षा एसके त्रिपाठी तथा सभी संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।